RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 218 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 08-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 उत्तर प्रदेश बना विश्वास का प्रतीक, यही हमारी सबसे बड़ी पूंजी : योगी आदित्यनाथ

6 कैप्टन राकेश: जान की बाज़ी लगाकर रोका फिदायीन हमला

7 अब मैं खुद से पूछती हूं कि मैं सच में कहां की हूं : सेलिना जेटली

फर्स्ट टेक

सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने का दावा फर्जी : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उन पोस्ट को शनिवार को 'फर्जी' बताया, जिनमें दावा किया गया है कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने की योजना है। सरकार ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सोशल मीडिया पर प्रसारित पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि सरकार सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास बिहार और पश्चिम बंगाल के जिलों को मिलाकर एक नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने की योजना बना रही है। यह दावा फर्जी है। पीआईबी ने कहा, भारत सरकार के ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

केन्या में रात भर हुई भारी बारिश, सेना को तैनात किया गया

नैरोबी/एपी। केन्या की राजधानी में शनिवार को भारी बारिश के कारण 23 लोगों की मौत हो गई, उड़ानें बाधित हुईं और हालात के मद्देनजर सेना को तैनात किया गया। नैरोबी में भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर जाने से वाहन चालक घंटों तक फंसे रहे। नैरोबी के पुलिस प्रमुख जॉर्ज सेडा ने शनिवार को बताया कि कुछ लोग डूब गए और कुछ की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि खोज एवं बचाव अभियान जारी है और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सेडा ने यह भी बताया कि 100 से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जिनमें से कुछ सड़क किनारे और पार्किंग स्थलों पर पलट गए।

पाकिस्तान ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में 55 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और 'हाई-स्पीड डीजल' की कीमत में प्रति लीटर 55 पाकिस्तानी रुपए की बढ़ोतरी की जो अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। यह ईरान युद्ध के बाद आर्थिक रूप से पड़े असर को दिखाता है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक, उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इसहाक डार तथा वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने शुक्रवार मध्यरात्रि से ठीक पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कीमतों में इस बढ़ोतरी की घोषणा की। उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि देश के पास पेट्रोलियम का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

शिक्षा को अपनाएं युवा, भाषा व परंपराओं को संरक्षित करें : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में संथाल समुदाय के योगदान को उचित मान्यता नहीं मिली है, और उन्होंने जोर देकर कहा कि कई महान हस्तियों को इतिहास में जानबूझकर शामिल नहीं किया गया।

पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में नौवें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में उन्होंने कहा, यह संथाल समुदाय के लिए गर्व की बात है कि हमारे पूर्वज, तिलका मांझी ने लगभग 240 साल पहले शोषण के खिलाफ विद्रोह का झंडा उठाया था। अपने विद्रोह के लगभग 60 वर्ष बाद, वीर भाई सिदो-कान्हू और चांद-भैरव ने वीर बहनों फूलो-झानो के साथ मिलकर 1855 में संथाल हुल का नेतृत्व किया।

मुर्मू ने कहा, लेकिन मैं जानती हूं कि संथालों ने देश के लिए कितना योगदान दिया है। बाबा तिलका मांझी, सिदो-कान्हू और चांद-भैरव, और ऐसे कई अन्य लोग हैं, जिनके नाम इतिहास में दर्ज नहीं हैं। मुझे लगता है, अगर उनके नाम शामिल किए जाते, तो पूरा इतिहास उनके नामों से भर जाता। लेकिन उनके नाम जानबूझकर शामिल नहीं किए गए। आज भी इतिहास उनके नाम चाहता है। लेकिन आप डर क्यों रहे हैं और पीछे क्यों जा रहे हैं?

केदारनाथ से लेकर कन्याकुमारी तक

एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालेगी सरकार : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **कांग्रेस के विरोध के बावजूद हिंदू और सिख शरणार्थियों को दी जाएगी नागरिकता : अमित शाह**

हरिद्वार/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देगी। उन्होंने कहा कि सरकार केदारनाथ से लेकर कन्याकुमारी तक एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालेगी। शाह ने यहां बैरागी कैंप में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) आया था तो कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों ने उसका जमकर विरोध किया था। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार के चार साल पूरे होने के मौके पर 'जन जन की सरकार, चार साल बेमिसाल' नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए हिंदू, सिख, बौद्ध तथा जैन शरणार्थियों को इसी कारण आजादी से लेकर आज तक नागरिकता से वंचित रखा गया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि इस देश पर बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन शरणार्थियों का उतना ही अधिकार है, जितना (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी का अधिकार है।''

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती देते हुए शाह ने कहा कि अपना धर्म और परिवार की महिलाओं का सम्मान बचाने के लिए ढेर सारी यातनाएं झेल कर हमारे देश में आए इन शरणार्थियों को नागरिकता जरूर दी जाएगी। उन्होंने कहा, ''राहुल बाबा, जितना विरोध करना है, कर लो । हम नागरिकता दे कर रहेंगे आप हमें नहीं रोक सकते।''

केंद्रीय गृह मंत्री ने कार्यक्रम में भारत की नागरिकता के प्रमाणपत्र पाने वाले अफगानिस्तान और पाकिस्तान से आए लगभग 162 शरणार्थियों को बधाई भी दी।

पश्चिम एशिया संकट:

रसोई गैस 60, वाणिज्यिक सिलेंडर 114.5 रुपए महंगा, पेट्रोल-डीजल स्थिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के बीच शनिवार को घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमत में 60 रुपए और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपए की भारी वृद्धि की गई है।

हालांकि, सरकारी सूत्रों ने तुरंत स्पष्ट किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की कोई योजना नहीं है, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के पास इस बोझ को सहने के लिए पर्याप्त वित्तीय क्षमता है।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में अब गैर-सब्सिडी वाली एलपीजी का 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर 913 रुपए में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 853 रुपए थी। एक साल से भी कम समय में कीमत में यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है।

उज्ज्वला योजना के 10 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को भी इतनी ही वृद्धि झेलनी होगी। उन्हें अब 300 रुपए की सब्सिडी के बाद प्रति सिलेंडर 613 रुपए देने होंगे।

शीर्ष सरकारी सूत्रों ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के कारण यह वृद्धि आवश्यक थी। उन्होंने बताया कि इस बढ़ोतरी के बावजूद वर्तमान दर लागत के बराबर होने के लिए आवश्यक 1,050 रुपए प्रति सिलेंडर की दर से काफी कम है।

सूत्रों ने तर्क दिया कि एक परिवार में सालाना 4-5 सिलेंडर की औसत खपत को देखते हुए, यह वृद्धि एक परिवार के लिए 80 पैसे प्रतिदिन या प्रति व्यक्ति केवल 20 पैसे प्रतिदिन के बराबर है। उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ी हुई कीमतों के बावजूद भारत में एलपीजी काठमांडू (1,207 रुपए), श्रीलंका (1,241 रुपए) और पाकिस्तान (1,046 रुपए) जैसे पड़ोसी देशों से सस्ती है।

130 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद/भाषा। केंद्र द्वारा निर्धारित 31 मार्च की समय सीमा से पहले, शनिवार को 130 माओवादियों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने प्रतीकात्मक रूप से अपने 124 हथियार मुख्यमंत्री को सौंप दिए। इन हथियारों में 31 एके-47 राइफलें, 21 इंसास राइफलें और 5,200 से अधिक कारतूस शामिल हैं। मुख्यमंत्री रेड्डी ने मुप्पला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति सहित भूमिगत उग्रवादियों से मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शायद यह पहला मौका है जब इतनी बड़ी संख्या में माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। रेड्डी ने कहा कि जनवरी 2024 से तेलंगाना में 721 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी शिवधर रेड्डी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 130 माओवादियों में से 125 छत्तीसगढ़ के, चार तेलंगाना के और एक आंध्र प्रदेश से है।

अगर राजनीति में नहीं होता, तो शायद एयरोस्पेस क्षेत्र में उद्यमिता करता : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि अगर वह राजनीति में नहीं होते, तो शायद एयरोस्पेस क्षेत्र में किसी उद्यमिता से जुड़े होते।

गांधी ने यहां टेक्नोपार्क में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के पेशेवरों के साथ संवाद के दौरान एक सवाल के जवाब में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि कई लोगों ने उन्हें एक नेता के रूप में परिभाषित किया है, लेकिन वास्तव में वह और भी बहुत कुछ करते हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उनका मानना है कि किसी को नेता, तकनीकी विशेषज्ञ या इंजीनियर कहना ''परिभाषाओं को सीमित करना'' है। उन्होंने कहा, ''यदि मैं किसी राजनीतिक संगठन के लिए काम नहीं कर रहा होता, तो शायद मैं कोई उद्यम कर रहा होता, शायद एयरोस्पेस के क्षेत्र में। मैं एक पायलट हूं, मेरे पिता और मेरे चाचा भी पायलट थे। इसलिए हमारे परिवार में इसकी थोड़ी परंपरा रही है।''

केरल के दो-दिवसीय दौरे पर आए गांधी ने कहा, ''हमें हर चीज के बारे में जिज्ञासु होना चाहिए। आपको हर बात के प्रति खुला दिमाग रखना चाहिए, तभी आप चीजों को आपस में जोड़ना शुरू कर सकते हैं।''

गांधी ने अपने निजी जीवन, अपनी दिनचर्या और अपने पालतू कुत्तों से संबंधित सवालों के भी जवाब दिए।

सूर्यास्त 08-03-2026 6:29 बजे	सूर्योदय 09-03-2026 6:31 बजे
BSE 78,918.90 (-1,097.00)	NSE 24,450.45 (-315.45)
सोना 16,849रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 280,600 रु. प्रति किलो

ईरान की राजधानी तेहरान में कई विस्फोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **अमेरिका ने बमबारी तेज करने की चेतावनी दी**

दुबई/एपी। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार तड़के कई विस्फोट हुए, जिनसे आसमान में काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। इस बीच अमेरिका ने चेतावनी दी कि जल्द ही बड़े पैमाने पर बमबारी अभियान शुरू किया जा सकता है, जिसे अधिकारी सप्ताह भर से जारी संघर्ष का अब तक का सबसे तीव्र हमला बता रहे हैं।

क्षेत्र में लड़ाई खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इज़राइल को 15.1 करोड़ डॉलर के नए हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी। ट्रंप ने कहा कि ईरान के ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने तक उससे कोई बातचीत नहीं होगी। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि देश अपनी रक्षा के लिए ''हर जरूरी कदम'' उठाएगा।

एक वीडियो फुटेज में पश्चिमी तेहरान के ऊपर विस्फोटों से धुएं के गुबार दिखाई दिए, जबकि इजराइल ने कहा कि उसने व्यापक हमलों का नया दौर शुरू किया है। इजराइली सेना ने कहा कि वह ईरान से दागी गई नई मिसाइलों को रोकने की कोशिश कर रही है।

ईरान के हमलों के बाद बहरीन में शनिवार सुबह सायरन बजे। सऊदी अरब ने कहा कि उसने अपने विशाल शायबह तेल क्षेत्र की ओर बढ़ रहे ड्रोन नष्ट कर दिए और प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराया।

इस बीच अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के अनुसार, रूस ने ईरान को ऐसी जानकारी दी है जिससे वह क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी युद्धपोतों, विमानों और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है।

ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका की बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग ठुकरायी, पड़ोसी देशों से माफी मांगी

दुबई/एपी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने शनिवार को कहा कि अमेरिका द्वारा बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग एक ऐसा ''ख्वाब है जिसे उन्हें अपनी कब्र तक साथ ले जाना चाहिए।'' राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने यह टिप्पणी सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक पूर्व 'रिकॉर्डेड' संबोधन में की। उन्होंने क्षेत्रीय देशों पर ईरान के हमलों के लिए माफी भी मांगी और कहा कि तेहरान हमलों को रोक देगा। उन्होंने संकेत दिया कि ये हमले सैन्य अधिकारियों के बीच सूचनाओं के गलत संचार के कारण हुए थे। उनका यह बयान उस समय प्रसारित हुआ जब शनिवार सुबह बहरीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर बार-बार हमले किए गए।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दल प्रतिनिधि

तुम चाहे जनप्रतिनिधि हो पर,
हाइकमान से हो अनुशासित।
पार्टी यदि जो टिकट न देती,
जीत नहीं हो पाती भासित।
सिर्फ बंधुआ हो निज दल के,
मत भूलो हो कर उल्लासित।
करी प्रशंसा प्रतिपक्षी की,
तो हो जाओगे निष्कासित।।

युद्ध में ईरान के और भी अधिकारियों को निशाना बनाया जायेगा : ट्रंप

डोरल (अमेरिका)/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को चेतावनी दी कि युद्ध में ईरान के और भी अधिकारियों को निशाना बनाया जायेगा और ''आज ईरान पर जबरदस्त प्रहार किया जायेगा।'' ट्रंप ने अपनी वेबसाइट 'ट्रुथ सोशल' पर ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने तेहरान के हमलों को लेकर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान द्वारा पड़ोसी देशों से माफी मांगने का जिक्र किया। ट्रंप ने लिखा, ''ईरान के खराब व्यवहार के कारण अब ऐसे इलाकों और लोगों के समूहों को भी निशाना बनाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, जिन्हें अब तक निशाना बनाने के लिए नहीं सोचा गया था।''

सहज स्मृति योग

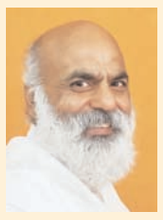

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो पाते हैं कि मानवता एक ओर तो नए ग्रहों पर जीवन बसाने की ओर बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर वही मानवता झूठी-सच्ची कहानियाँ गढ़-गढ़ कर आपस में लड़ भी रही है। मानवता के इन दोनों पक्षों में से आपको मानवता का कौन सा पक्ष जीतता दिख रहा है ?

उत्तर : हरेक मनुष्य में स्वयं में कल्याणकारी परिवर्तन या सुधार लाने की आंतरिक प्रेरणा विद्यमान रहती है। जैसे ही वह सत्संग की ओर बढ़ता है, ध्यान उसको आत्मशोधन के माध्यम से आत्म-ज्ञान की ओर ले जाता है। आत्म-ज्ञान से सनातन मानवीय मूल्य और गुण प्रकाशित और प्रकट होते हैं जिससे उसे यह बोध होता है कि, उसकी पहली प्राथमिकता क्या है अन्यान्य ग्रहों पर जाने की ? अथवा, पहले इसी ग्रह को जिसे मानव ने इस अवस्था में पहुँचा दिया है कि वह रहने योग्य नहीं, रहने जैसा हो चला है, पहले इसे ही रहने योग्य सुंदर बनाने की? किस पक्ष की कौन सी कहानी सच्ची है उसी की जीत होगी? क्योंकि, कहानी बनती ही सच्ची तब है जबकि उस पर अमल किया जाता है। अमल करें सो पावै।

समाज में महिलाओं के स्थान के बारे में सही धारणा स्थापित करें : राष्ट्र सेविका समिति प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय समाज में महिलाओं के स्थान के बारे में एक सही दृष्टिकोण स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख वी. शांता कुमारी ने शनिवार को कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को बहुत महत्व दिया गया है, लेकिन कुछ लोग कुछ धार्मिक ग्रंथों का उपयोग करके यह जताते हैं कि देश में उनका शोषण होता है।

विज्ञान भवन में महिला विचारकों के दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कुमारी ने कहा कि भारत में महिलाएं अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

समिति प्रमुख ने कहा, हम सभी जानते हैं कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को बहुत महत्व दिया गया है। स्त्री समाज की आधारशिला और एक सशक्त शक्ति है। इसलिए, 'नारी' से वह 'नारायणी' में रूपांतरित हो सकती है। उन्होंने भारतीय समाज और संस्कृति में महिलाओं के स्थान के बारे में सही दृष्टिकोण स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, ''फिर भी कुछ लोग कुछ धर्मग्रंथों और मनु जैसे कुछ व्यक्तियों के नामों का हवाला देते हुए यह चर्चा छेड़ देते हैं कि यहां शोषण हो रहा है।''

भारती - नारी से नारायणी नामक सम्मेलन का आयोजन भारतीय विद्वत परिषद द्वारा राष्ट्र सेविका समिति और शरण्या के सहयोग से यहां विज्ञान भवन में किया जा रहा है। वर्ष 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति, पुरुषों के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के समानांतर एक महिला संगठन के रूप में कार्य करती है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी उद्घाटन सत्र में भाषण दिया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी के पदों पर आसीन सक्षम महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहायता और अवसर प्रदान करके अन्य महिलाओं की मदद करनी चाहिए।

समाज को महिलाओं के लिए खड़ा होना चाहिए, केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं : ए रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि समाज को महिलाओं की सुरक्षा को एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लेना चाहिए, क्योंकि केवल कानून बनाने या पुलिस द्वारा उपाय करना उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

तेलंगाना पुलिस की महिला शाखा के 'स्टैंड विद हर' (महिलाओं के लिए खड़े खड़े होने का अभियान) की शुरुआत करने के बाद उन्होंने कहा कि लोगों को महिलाओं के किसी भी परेशानी में घिरने पर आपत्ति व्यक्त करने की परिपाटी चलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों (जिनमें डीप फेक वीडियो भी शामिल हैं) को देखते हुए राज्य सरकार ने ऐसे अपराधों की जांच के लिए साइबर अपराध शाखा को सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा, तेलंगाना अगर तेजी से प्रगति कर रहा है तो सरकारी, निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों में उपयुक्त अवसर उपलब्ध हैं। अगर महिलाओं को रोजगार और आजीविका के अवसरों में उत्कृष्टता हासिल करनी है तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। केवल कानून बनाना और पुलिस द्वारा कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं होगा। हम सभी को इसे एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लेना होगा। उन्होंने कहा कि जब कोई महिला असुविधा का सामना करती है तो ऐसे में बेपरवाही का रवैयया अपना और उसकी मदद न करना एक तरह से अपराध को बढ़ावा देने के समान है।

प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में भारत को अमेरिका से सबसे बेहतर व्यापारिक समझौता मिला : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत ने अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अमेरिका के साथ सबसे बेहतर व्यापारिक समझौता हासिल किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देश एक बेहद शक्तिशाली संबंध साझा करते हैं।

गोयल ने कहा कि अमेरिका 30 लाख करोड़ डॉलर की दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और कोई भी इसे नजरअंदाज नहीं कर सकता। रायसीना संवाद 2026 में अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, यह एक शानदार सफर रहा है। हमारे संबंध बेहतरीन हैं। आपने पिछले एक साल में देखा होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में अच्छी बातें कही हैं। वहां हमारे समकक्षों के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, एक परिवार के भीतर भी कभी-कभार कुछ गलतफहमियां हो सकती हैं। यह स्वाभाविक है। मुझे लगता है कि अमेरिका और भारत एक बहुत ही शक्तिशाली रिश्ता साझा करते हैं। प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में हमें सबसे अच्छा समझौता मिला है। मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका रणनीतिक साझेदार हैं और दोनों दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों पर बड़ी जिम्मेदारी है। अमेरिका 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था है, कोई भी उन्हें अनदेखा नहीं कर सकता। व्यापार समझौते की व्याख्या करते हुए गोयल ने कहा कि यह अनिवार्य रूप से अपने प्रतिस्पर्धियों पर वरीयता प्राप्त करने के बारे में है। द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण में अमेरिका ने भारत पर पारस्परिक शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की थी।

वाईएसआरसीपी शासन के 'शराब घोटाले' में 100 करोड़ रु. की मासिक रिश्वत शामिल थी : लोकेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के सूचना एवं संचार मंत्री नारा लोकेश ने शनिवार को कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान कथित तौर पर हुए 3,500 करोड़ रुपए के 'शराब घोटाले' में 100 करोड़ रुपए की मासिक रिश्वत शामिल थी और ईडी ने 1,000 करोड़ रुपए से अधिक के नकद लेन-देन का खुलासा भी किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने आंध्र प्रदेश शराब घोटाला मामले में शामिल विभिन्न आरोपियों की 441 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की संपत्तियां जब्त कर ली है।

जब्त की गई संपत्तियों में मुख्य आरोपी कासिरेड्डी राजशेखर रेड्डी, उनके परिवार के सदस्यों और संबंधित संस्थाओं, बूनेटी चाणक्य और उनकी संबंधित संस्थाओं, डोंथिरेड्डी वासुदेव रेड्डी के रिश्तेदारों और संस्थाओं समेत अन्य आरोपियों की संपत्तियां शामिल हैं।

लोकेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हर महीने 100 करोड़ रुपए की रिश्वत। लगभग 3,500 करोड़ रुपए का धनशोधन। ईडी द्वारा 1,048 करोड़ रुपए के नकद लेन-देन का खुलासा। क्या यही आपके 2019 के ''शराबबंदी'' के वादे के पीछे की असली कहानी है, वाईएस जगन मोहन रेड्डी?'' उन्होंने आरोप लगाया कि जहां जगन शराबबंदी का उपदेश दे रहे थे, वहीं उनके करीबी लोग हजारों करोड़ रुपए अपनी जेबों में भर रहे थे।

लोकेश ने पूछा, ''क्या आप (जगन) आंध्र प्रदेश की जनता को जवाब देंगे या चुप्पी ही आपका एकमात्र बचाव होगा?''

न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपए करने की मांग को लेकर ईपीएस-95 पेंशनभोगी करेंगे प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ द्वारा संचालित कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) के तहत पेंशनभोगी मौजूदा 1,000 रुपए की न्यूनतम मासिक पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपए करने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए वे नौ मार्च को जंतर-मंतर पर तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। एक बयान में कहा गया कि केंद्रीय और राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सहकारी/निजी क्षेत्रों, मिलों और मीडिया प्रतिष्ठानों के लगभग 81 लाख पेंशनभोगी ईपीएस 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति के बैनर तले अपनी मांगों के लिए पिछले नौ वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। समिति ने कहा कि प्रधानमंत्री, सभी केंद्रीय मंत्रियों और सभी दलों के सांसदों से अपील की गई है, लेकिन सरकार बुजुर्ग पेंशनभोगियों की पुकार की अनदेखी कर रही है। इसमें कहा गया कि 30 से 35 साल की सेवा के दौरान ईपीएफओ के साथ नियमित रूप से पेंशन अंशदान जमा करने के बाद भी पेंशनभोगियों को अभी भी औसतन 1,171 रुपए मासिक पेंशन दी जा रही है। हालांकि, विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत बिना किसी अंशदान के पेंशन बांटी जा रही है। समिति ने आरोप लगाया कि इतनी कम पेंशन और मुफ्त चिकित्सा देखभाल की कमी के कारण देश भर में हर दिन औसतन 200-250 पेंशनभोगियों की असामयिक मृत्यु हो रही है।

कोयला लदी मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतरे, कटनी में रेल यातायात प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटनी (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में शनिवार को कोयला लदी एक मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतर जाने से व्यस्त रेलमार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया और कई रेलगाड़ियों का मार्ग बदलना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि न्यू कटनी जंक्शन (एनकेजे) सेक्शन में रेल लाइन बहाल करने का काम युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने बताया कि मरम्मत कार्य की निगरानी के लिए जबलपुर से एक टीम मौके पर पहुंची है। अधिकारी ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब साढ़े 10 बजे एनकेजे क्षेत्र में 'ए केबिन' के पास हुआ, जिससे पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से जुड़े मार्गों पर रेल संचालन प्रभावित हुआ। कटनी क्षेत्र प्रबंधक रोहित सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि कोयला लदी यह मालगाड़ी बिलासपुर से पश्चिम बड़ौदा जा रही थी, तभी इसके छह डिब्बे पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का आकलन शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि बिलासपुर की ओर जाने वाला रेल यातायात प्रभावित हुआ है। चार रेलगाड़ियों का मार्ग बदला गया है, जबकि दो को 'शॉर्ट टर्मिनेट' और दो को 'शॉर्ट ओरिजिनेट' किया गया है।

क्या देश को व्हाइट हाउस से चलाया जा रहा है : भगवंत मान ने केंद्र पर कसा तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को अमेरिकी सरकार द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने की छूट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या देश को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) से चलाया जा रहा है।

मान ने कहा कि वह अखबारों में छपी उन खबरों से हैरान हैं जिनमें कहा गया है कि ''(अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप ने भारत को रूस से 30 दिनों के लिए तेल खरीदने की अनुमति दे दी है। क्या उन्होंने (ट्रंप ने) भारत को यह अनुमति दी है?'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''तो फिर देश कौन चला रहा है? (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी को जवाब देना चाहिए। क्या व्हाइट हाउस हमारे देश को अनुमति देता है?'' मान ने पूछा कि मोदी की ऐसी कौन सी ''कमजोरी'' है जिसके बारे में ट्रंप को पता है कि प्रधानमंत्री को अमेरिकी राष्ट्रपति की ''हर बात माननी पड़ेगी।'' मान ने कहा कि अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार समझौते से भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों, जिनमें सोयाबीन और मक्का शामिल हैं, के लिए खुल गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अब निरस्त किए जा चुके तीन कृषि विधेयकों से भी अधिक खतरनाक है।

पश्चिम एशिया संकट से भारत के 11.8 अरब डॉलर के कृषि निर्यात पर खतराः जीटीआरआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक शोध संस्थान 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआईआर) ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारत के 11.8 अरब डॉलर मूल्य के कृषि और खाद्य उत्पादों के निर्यात पर संकट मंडरा रहा है। इस तनाव से समुद्री मार्ग बाधित हो रहे हैं और बीमा व लॉजिस्टिक की लागत बढ़ने से अनिश्चितता पैदा हो गई है।

संस्थान के अनुसार, साल 2025 में भारत ने इस क्षेत्र को 11.8 अरब डॉलर मूल्य के अनाज, फल, सब्जियां, डेयरी उत्पाद और मसालों का निर्यात किया था, जो भारत के कुल कृषि निर्यात का 21.8 प्रतिशत है। भौगोलिक निकटता और वहां रहने वाले भारतीयों की बड़ी आबादी के कारण खाड़ी देश भारतीय खाद्य उत्पादों के लिए एक स्वाभाविक बाजार रहे हैं। जीटीआईआर ने कहा, हालांकि, क्षेत्र में जारी संघर्ष से समुद्री मार्ग बाधित हो रहे हैं, बीमा लागत बढ़ रही है और लॉजिस्टिक में अनिश्चितता पैदा हो रही है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने 2025 में पश्चिम एशिया को 7.48 अरब डॉलर के अनाज, फल, सब्जियां और मसाले भेजे, जो भारत के इस श्रेणी के कुल वैश्विक निर्यात का 29.2 प्रतिशत है। इसमें चावल के निर्यात पर सबसे बड़ा असर पड़ने की आशंका है। भारत ने इस क्षेत्र को 4.43 अरब डॉलर का चावल निर्यात किया, जो उसके कुल वैश्विक चावल निर्यात का 36.7 प्रतिशत है। इससे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के किसान सीधे प्रभावित हो सकते हैं। इसके अलावा, पिछले साल भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और ईरान जैसे देशों को भारी मात्रा में केले (39.65 करोड़ डॉलर), प्याज-लहसुन, कॉफी, चाय और समुद्री व मांस उत्पादों का निर्यात किया।

डेयरी उत्पादों के मामले में भी भारत के कुल निर्यात का करीब 29 प्रतिशत हिस्सा इसी क्षेत्र में जाता है। जीटीआईआर के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय कृषि निर्यात की पश्चिम एशियाई बाजारों पर निर्भरता काफी बढ़ गई है। अब जारी संघर्ष, पोत परिवहन मार्गों में व्यवधान और बढ़ती बीमा लागत निर्यातकों के लिए अनिश्चितता पैदा कर रही है, जिसका सीधा असर देश के कई राज्यों के किसानों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर पड़ सकता है।

रूस से तेल खरीद को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र पर निशाना साधा

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने अमेरिका द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूस से तेल खरीदने की छूट को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश को अपने फैसले खुद लेने चाहिए न कि किसी और को उसके लिए फैसला करने का अधिकार है। अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से कहा, हम किसी पर निर्भर नहीं हैं। दुख की बात यह है कि मुझे नहीं पता कि वे (अमेरिका) हमें क्यों निर्भर बना रहे हैं। यह इस देश की स्वतंत्रता का सवाल है। उन्होंने कहा कि देश को खुद तय करना है कि उसके लिए क्या अच्छा है और किसी अन्य को उसका भविष्य तय करने का अधिकार नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यह एक त्रासदी है। हमने पहले भी (प्रधानमंत्री) मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐसा देखा था।

सरकार ने हरित अमोनिया, हरित मेथेनॉल के मानकों की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शनिवार को राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत ग्रीन हाइड्रोजन के उप-उत्पादों के कारोबार को तेज करने के लिए हरित अमोनिया और हरित मेथेनॉल के मानकों की घोषणा की। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चार जनवरी, 2023 को 19,744 करोड़ रुपए के शुरुआती परिव्यय के साथ इस मिशन को मंजूरी दी थी। इसका उद्देश्य भारत को ग्रीन हाइड्रोजन और इसके उप-उत्पादों के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारत सरकार ने 27 फरवरी, 2026 को भारत के लिए हरित अमोनिया और हरित मेथेनॉल मानकों को अधिसूचित किया।

33 प्रतिशत महिलाओं ने मानी कार्यस्थलों में वेतन असमानता की बातः रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली 67 प्रतिशत से अधिक महिलाओं का मानना है कि उनके कार्यस्थलों में वेतन समानता मौजूद है, जबकि 33 प्रतिशत महिलाओं को लगता है कि वेतन में अंतर है। नौकरी डॉट कॉम की शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

'व्हाट वीमेन प्रोफेशनल्स वांट' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट देश के 50 से अधिक उद्योगों की 50,000 महिलाओं के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार, 67 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके कार्यस्थलों पर वेतन समानता है, जबकि 33 प्रतिशत ने माना कि वहां समानता नहीं है। वेतन में अंतर होने की बात रियल एस्टेट (42 प्रतिशत) के पेशेवरों ने सबसे दृढ़ता से कही, जिसके बाद एफएमसीजी (38 प्रतिशत), दवा और जीवन विज्ञान (38 प्रतिशत) और वाहन (37 प्रतिशत) क्षेत्र का स्थान रहा। रिटेल (35 प्रतिशत), होटल एवं रेस्तरां (35 प्रतिशत), आईटी सेवाएं (34 प्रतिशत), टेलीकॉम (34 प्रतिशत), चिकित्सा सेवा (33 प्रतिशत) और तेल एवं गैस क्षेत्र (33 प्रतिशत) की महिलाओं ने भी माना कि वेतन में असमानता या अंतर मौजूद है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर जारी इस रिपोर्ट में समान वेतन ऑडिट और मासिक धर्म अवकाश की बढ़ती मांग पर भी प्रकाश डाला गया है। उच्च वेतन श्रेणी वाले पेशेवरों में यह मांग सबसे अधिक देखी गई।

'एलपीजी सिलेंडरों की संभावित कमी को लेकर खबरें अटकलों पर आधारित'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीचरसोई गैस सिलेंडरों की संभावित कमी को लेकर आ रही खबरें अटकलबाजी पर आधारित हैं और यह देश के हित में नहीं है।

फडणवीस ने मीडिया से अटकलबाजी वाली रिपोर्टिंग से बचने की अपील की और इस बात पर बल दिया कि केंद्र सरकार स्थिति की जांच कर रही है।

रसोई गैस सिलेंडरों की संभावित कमी से संबंधित खबरों के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए फडणवीस ने मीडिया से अपील की कि वे बिना किसी कारण के आम नागरिकों के बीच घबराहट या भय पैदा न करें।

उन्होंने कहा, ''अटकलबाजी वाली खबरें दिखाना और काल्पनिक परिदृश्यों पर चर्चा करना दहशत और भ्रम की स्थिति पैदा करता है, जो देश और समाज के हित में नहीं है।

केंद्र सरकार ने कल यह बात स्पष्ट रूप से कही थी।''

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच घरेलू एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपए की वृद्धि की गई है।

उद्योग जगत के अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष शुरू होने के बाद से वैश्विक ऊर्जा कीमतों में हुई तीव्र वृद्धि के परिणामस्वरूप यह बढ़ोतरी हुई है।

बजट 2026-27 में उनके द्वारा घोषित ऋण माफी के कार्यान्वयन की समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि कुछ लोग यह दावा करके भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं कि फसल ऋण माफी को राष्ट्रीयकृत बैंकों, जिला बैंकों या कुछ ऋण समितियों द्वारा लागू नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, '' हम फसल ऋण देने वाले किसी भी बैंक को दो लाख रुपए तक का ऋण माफ करेंगे। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इस पहल से किसानों को लाभ मिले, बैंकों को नहीं। हमने पहले ही घोषणा कर दी है कि ऋण माफी 30 जून से पहले लागू कर दी जाएगी।''

जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिशों से सावधान रहें : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भगवान में आस्था जाति और धर्म से ऊपर है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि लोगों को जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिशों से सावधान रहना चाहिए। वह आज शिरमहल्ली, एचडी कोटे में श्री लक्ष्मी देवी अम्मन के नए मंदिर का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। शिरमहल्ली, एचडी कोटे के लोग भगवान के भक्त हैं। हमारी आस्था मंदिर में लगी मूर्ति में भगवान को देखने की है। बसवदी शरण ने कहा था कि भगवान हर जगह और हर किसी में हैं। हमें अपनी प्रार्थनाओं में दूसरों की भलाई भी मांगनी चाहिए, और भगवान में आस्था जाति और धर्म से ऊपर है। उन्होंने कहा कि कौन सी जाति और धर्म हमें बताता है कि इंसान को इंसान से प्यार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाज के अपने फायदे के लिए जाति व्यवस्था और समाज की असमानताओं का समर्थन किया जाता है।

जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है। हमें ऐसी बुरी ताकतों से सावधान रहना चाहिए। उन्होनें कहा कि यह खुशी की बात है कि आज लक्ष्मी मंदिर का उद्घाटन मेले की तरह किया गया। उन्होंने कहा कि लोगों को जाति और धर्म भूलकर एकजुट होने की ज़रूरत पहले से कहीं ज़्यादा है। शिरमल्ली के लोगों के प्यार से मेरा साथ देने के लिए बधाई। सरकार शिरमल्ली गांव समेत इस इलाके के विकास के लिए पूरी तरह तैयार है। कर्नाटक के इतिहास में सबसे ज़्यादा बजट पेश करने की कामयाबी राज्य के लोगों के आशीर्वाद से ही मुमकिन हुई है। उन्होंने कहा कि वह प्रार्थना करेंगे कि शिरमल्ली श्री लक्ष्मी देवी अम्मा राज्य के लोगों का भला करें।

वचन मंडप परियोजना में हुई किसी भी खामी को सुधारेगी सरकार : प्रियांक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री प्रियांक खरगे ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण कर्नाटक को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि कलबुर्गी जिले के चित्तापुर कस्बे में रविवार को कई विकास कार्यों का उद्घाटन किया जाएगा और आधारशिला रखी जाएगी।

प्रियांक खरगे ने बताया कि इस दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार स्वयं अनुभव मंडप का विकास कर रही है और इसी प्रकार कलबुर्गी में वचन मंडप का भी विकास किया जा रहा है। अगर कोई समस्या हो या यह अवैध पाया जाए, तो कमियों को निश्चित रूप से बताया और सुधारा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि फिलहाल न तो मुझे और न ही आपको इसके सटीक नियमों या प्रक्रिया के क्रियान्वयन की पूरी जानकारी है। अगर परियोजना में कोई खामी पाई जाती है, तो उसे सुधारा जा सकता है।

हालांकि, बिना स्पष्टता के केवल परियोजना को ही गलत बताना या यह तय करना कि इसे कैसे किया जाना चाहिए या नहीं किया जाना चाहिए, उचित नहीं है। मेरी राय में, इसके लिए अभी तक पूरे नियम जारी नहीं किए गए हैं। कल बजट में इसका पीपीपी मॉडल के रूप में जिक्र किया गया था। तो इसमें क्या गलत है?

केंद्र ने अपनी विदेश नीति अमेरिका के पास गिरवी रख दी है : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियंक खरगे ने शनिवार को केंद्र सरकार की विदेश नीति की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और केंद्र सरकार भारत की आर्थिक व ऊर्जा नीतियों पर की गई अमेरिकी वरिष्ठ अधिकारियों की टिप्पणियों का कड़ा जवाब देने में विफल रही है। खरगे ने कलबुर्गी में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाया और उन पर देश की गरिमा की रक्षा करने के बजाय विपक्षी नेताओं पर हमला करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र ने कहा, केंद्र सरकार को कम से कम थोड़ी शर्म तो आनी चाहिए। उन्होंने व्यावहारिक रूप से हमारी पूरी विदेश नीति को अमेरिका के पास गिरवी रख दिया है। आज हमारी गरिमा का कोई मूल्य नहीं रह गया है। मंत्री ने अमेरिका के उपविदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ द्वारा दिल्ली में कथित तौर पर दिए गए बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि इन टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि विदेशी सरकारें भारत की आर्थिक दिशा पर खुलकर चर्चा कर रही हैं।

उन्होंने कहा, 'कल (शुक्रवार को) आपने देखा होगा कि अमेरिका के एक उपविदेश मंत्री ने दिल्ली में (अमेरिका में नहीं, बल्कि दिल्ली में) कहा कि वे (अमेरिका) भारत में चीन के साथ की गई गलती नहीं दोहराएंगे और हम भारत को विकास नहीं करने देंगे'। खरगे ने जारी युद्ध के बीच रूस से कच्चे तेल के आयात के संबंध में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की टिप्पणियों का हवाला दिया।

उन्होंने कहा, 'शुक्रवार को अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा कि युद्ध के कारण उन्होंने (अमेरिका ने) भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए 30 दिन की अनुमति दी है।' खरगे ने सवाल उठाया कि केंद्र सरकार ने ऐसे बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी2। मंत्री ने ऊर्जा नीति और ईंधन आपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत के तेल भंडार पर परस्पर विरोधी दावे हैं। उन्होंने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी समेत केंद्रीय मंत्रियों की चुप्पी की भी आलोचना की।

खरगे ने पूछा, संसद में उन्होंने (हरदीप सिंह पुरी ने) कहा कि हमारे पास 75 दिनों का भंडार है। लेकिन तेल कंपनियां प्रेस वार्ता में कहती हैं कि हमारे पास सिर्फ 25 दिनों का भंडार है।

ऐसा कैसे हो सकता है? उन्होंने केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित भाजपा की कर्नाटक इकाई के नेताओं को निशाना बनाते हुए आरोप लगाया कि वे राज्य सरकार पर तो तुरंत टिप्पणी कर देते हैं, लेकिन राष्ट्रीय गरिमा को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर बोलने से बचते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति की भी आलोचना की और इसकी तुलना पिछली कांग्रेस सरकारों से की।

प्रियंक खरगे ने अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन से जुड़े एक उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा, उन्होंने एक बार कहा था कि वह यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या भारत ईरान से तेल खरीद सकता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने उन्हें स्पष्ट रूप से कहा था कि यह निर्णय मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है, आपके नहीं। मैं निर्णय लूंगा, आप नहीं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के साथ अपने व्यवहार में इसी तरह भारत की स्वतंत्र विदेश नीति पर जोर दिया था।

एएफटीसी में 106वें एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग कोर्स की पासिंग आउट परेड हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग कोर्स (106वें) की पासिंग आउट परेड शनिवार को एयर फोर्स टेक्निकल कॉलेज (एएफटीसी) में हुई। इस समारोह में गणमान्य अतिथि, अधिकारी, वायु योद्धा, अभिभावक और पूर्व सैनिक मौजूद थे।

कॉलेज से कुल 108 अधिकारियों ने शानदार प्रदर्शन के साथ पास-आउट किया, जिनमें मित्र देशों के नौ अधिकारी भी शामिल थे। एयर मुख्यालय के एयर ऑफिसर-इन-चार्ज मेंटेनेंस एयर मार्शल संजीव घुराटिया मुख्य अतिथि थे। उनका स्वागत कॉलेज के कमांडेंट एयर कमोडोर के गिरि ने किया। परेड के दौरान शानदार फ्लाईपास्ट और मनमोहक स्काई डाइविंग प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। एयर वॉरियर ड्रिल टीम ने भी आकर्षक प्रदर्शन किया। आरओ ने कोर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को ट्रॉफियां और पदक प्रदान किए।

प्रतिष्ठित 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' फ्लाइंग ऑफिसर चंद्रचूड़ राय को प्रदान किया गया। प्रोफेशनल विषयों और जनरल सर्विस ट्रेनिंग में सर्वश्रेष्ठ अधिकारी के लिए प्रेसिडेंट्स प्लाक' फ्लाइंग ऑफिसर अमर्त्य सिंह को प्रदान किया गया इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल स्ट्रीम में मेरिट में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए चीफ ऑफ एयर स्टाफ मेडल' क्रमशः फ्लाइंग ऑफिसर प्रशांत पांडेय और फ्लाइंग ऑफिसर इंगावले ऋषिकेश जगन्नाथ को प्रदान किए गए।

एयर मार्शल ने समारोह को संबोधित किया और युवा अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना के इंजीनियरिंग अधिकारी शांति के समय और युद्ध जैसी परिस्थितियों में विमानों और अन्य हथियार प्रणालियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवा अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल को लगातार विकसित करें, ताकि तेज़ी से बदलते तकनीकी परिवेश में अग्रिम पंक्ति में नेतृत्व कर सकें, मजबूत टीमों का निर्माण करें, उच्चतम स्तर का पेशेवराना व्यवहार दिखाएं और देशसेवा में अटूट प्रतिबद्धता और बेदाग ईमानदारी बनाए रखें।

दुकान में लगी आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वीवीपुरम् क्षेत्र में एक दुकान में शुक्रवार रात को आग लग गई। वीवीपुरम् क्षेत्र में स्थित रोका टाइल प्रिन्ट शॉप शुक्रवार को रात्रि 9 बजे दुकानदार बंद कर गया। लगभग 10 बजे दुकान के अंदर से धुंआ निकलता देख राहगीरों ने पुलिस कंट्रोलरूम में फोन किया। तुरन्त फायर ब्रिगेड की गाड़ियां वहां पहुंची और दुकान की शटर तोड़कर लगभग डेढ घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई गई। दुकानदार के मुताबिक रात्रि को जब वह दुकान मंगल कर गया तो सब ठीक था। यह सब कैसे हुआ जांच की जारही है। लगभग 50 लाख रुपए मूल्य का माल नष्ट हो गया है।

बेंगलूरु की एक इमारत परिसर में कुत्ता घुमाने को लेकर हुई बहस हाथापाई में बदली, मामला दर्ज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु के एक आवासीय परिसर के भीतर कुत्ता टहलाने को लेकर पालतू जानवर के मालिक और वरिष्ठ नागरिकों के एक समूह के बीच हुआ विवाद कथित तौर पर हाथापाई में बदल गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना तीन मार्च की सुबह करीब 7.30 बजे तब हुई जब तरुण अरोड़ा (42) वरथुर स्थित आवासीय परिसर के भीतर अपने पालतू कुत्ते को घुमाने गए थे, जहां वरिष्ठ नागरिकों का एक समूह योग और व्यायाम कर रहा था। एक वीडियो फुटेज में भी दोनों पक्षों को तीखी बहस करते देखा जा सकता है जो बाद में हाथापाई में बदल गई।

अरोड़ा ने अपनी शिकायत में कहा कि शुरू में उन्होंने समूह पर ध्यान नहीं दिया और अपना कुत्ता टहलाना जारी रखा। बाद में समूह के कुछ सदस्यों ने उन्हें रोका और कहा कि उस क्षेत्र में कुत्ते को नहीं घुमाना चाहिए, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। अरोड़ा ने आरोप लगाया कि बहस के दौरान, समूह ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की। स्थिति गंभीर होने पर उन्होंने आपातकालीन हेल्पलाइन 112 पर फोन करने की कोशिश की।

अरोड़ा ने जब अपने फोन से घटना को रिकॉर्ड करने का भी प्रयास किया तो उनमें से एक व्यक्ति, ओम प्रकाश वाजपेयी (69) ने उनका फोन छीन लिया। शिकायत के अनुसार, इसके तुरंत बाद लगभग पांच से छह लोग हाथापाई पर उतर आए। बाद में उन्होंने पास के एक अस्पताल में उपचार कराया। हालांकि, वरिष्ठ नागरिकों के समूह के सदस्यों ने अरोड़ा पर जवाबी आरोप लगाए हैं। उनकी शिकायत के अनुसार, कुत्तों के लिए एक अलग पार्क की व्यवस्था होने के बावजूद अरोड़ा अक्सर अपने पालतू कुत्ते को उस स्थान पर लाते हैं जहां वे योग करते हैं। वाजपेयी और उनकी पत्नी ने आरोप लगाया कि कुत्ता अक्सर उनके पीछे घूमता है और उस क्षेत्र में गंदगी करता है जहां वे बैठते हैं। तीन मार्च को अरोड़ा फिर से अपने कुत्ते के साथ उसी स्थान पर आए। शिकायतकर्ताओं ने दावा किया कि जब उन्होंने अरोड़ा को तस्वीरें लेने से रोकने की कोशिश की, तो उसका मोबाइल फोन गलती से जमीन पर गिर गया। इससे गुस्साए अरोड़ा ने वाजपेयी का गला दबाकर दम घोंटने की कोशिश की। जब वाजपेयी की पत्नी उन्हें बचाने के लिए बीच-बचाव करने आईं तो अरोड़ा ने उन्हें जमीन पर धकेल दिया, जिससे उन्हें चोटें आईं। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं और जांच जारी है।

कर्नाटक में साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाए गए : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाए हैं, जिनमें विशेष इकाइयों की स्थापना और पूरे राज्य में साइबर पुलिस के बुनियादी ढांचे का विस्तार करना शामिल है। राज्य के गृह मंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, परमेश्वर ने अपराध जांच विभाग (सीबीआई) और साइबर अपराध जांच प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित तीसरे वार्षिक साइबर अपराध जांच शिखर सम्मेलन साइडकोड का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही।

उन्होंने कहा, कर्नाटक सिर्फ एक राज्य नहीं है; यह एक वैश्विक ब्रांड है। जब दुनिया बेंगलुरु की ओर देखती है, तो उसे नवाचार का भविष्य नजर आता है। हमारे पास एक मजबूत और अत्यधिक सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने साइबर हमलों की जांच करने और डिजिटल साक्ष्य जुटाने के लिए उन्नत कौशल, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी से लैस विशेष साइबर अपराध इकाइयां स्थापित की हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों और प्रमुख शहरों में 43 साइबर, आर्थिक और मादक पदार्थ (सीईएन) पुलिस थाने स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार अपने नागरिकों की साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। परमेश्वर ने कहा कि राज्य ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा अनुपालन और जोखिम प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनियों के साथ काम करके साइबर सुरक्षा नवाचार के लिए एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। इस अवसर पर राज्य के पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक एम ए सलीम, साइबर कमांड के डीजीपी प्रणव मोहंती, इंफोसिस फाउंडेशन के ट्रस्टी सुनील कुमार धारेश्वर और डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के सीईओ विनायक गोडसे सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. बी/टीआरडी. 2025-26/46 दिनांक: 02.03.2026
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
येलाहंका-तल्ली सैदासाहु पर दूसरे ट्रांसफॉर्मर बे का प्रावधान। पूर्णता अवधि: 6 माह।	₹1,55,61,104.00/-

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 24.03.2026 को 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/बेंगलुरु
PUB/963/AAD360/PRB/SWR/2025-26
रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।
South Western Railway - SWR @SWRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. वाई/ई.29/2025-26/97 दिनांक: 27.02.2026
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का विवरण	अनुमानित मूल्य
एमवाईएस डिविजन: हुब्बल्लि (यूबीएल) - चिकजाजुर (जेआरयू) डबलिंग प्रोजेक्ट: देवरगुड्डा (सीएच: 369169) से हावेरी (सीएच: 393772) के बीच नव निर्मित बीजी लाइन की ओपनिंग के लिए ओपन लाइन तक फंड्स की स्पेरिंग, (एचवीआर- टाइप-2 स्टॉक क्वार्टर का निर्माण- 6 यूनिट)।	₹13,87,571/-

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 20.03.2026 को 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जनरल/मैसूरू
PUB/965/AAD360/PRB/SWR/2025-26
रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।
South Western Railway - SWR @SWRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

होली उत्सव

उत्तर कर्नाटक के हुब्बल्ली, बागलकोट आदि जगहों पर होली का उत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। जगह जगह पर गैर निकालकर लोगों ने एक दूसरे को रंग लगाया। पूरे बाजार में निकाली गई गैर यात्रा के दौरान लोगों ने जमकर होली खेली। सुरक्षा के चलते पुलिस ने बागलकोट और हुब्बल्ली में कई जगह मस्जिद को बड़े तिरपाल से ढक दिया गया।

अंबेडकर पुरस्कार के लिए आवेदन जमा करने का समय बढ़ाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य भर में 5 अप्रैल और 14 अप्रैल को डॉ. बाबू जगजीवन राम और डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती मनाई जा रही है, इसके लिए समाज कल्याण विभाग ने सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट ने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए अहम सेवा देने वाले काबिल लोगों को पहचानने और राज्य स्तर पर डॉ. बाबू जगजीवन राम और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के नाम पर पुरस्कार देने के लिए आवेदन मंगाए हैं।

समाज कल्याण विभाग के एडिशनल डायरेक्टर (एडमिनिस्ट्रेशन) ने एक रिलीज़ में कहा कि इन अवॉर्ड के लिए आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख पहले 10 मार्च तय की गई थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 15 मार्च कर दिया गया है। रिलीज़ में कहा गया है कि इच्छुक उम्मीदवार 15 मार्च तक सेंट्रल ऑफिस या संबंधित ज़िला और तालुक स्तर के सोशल वेलफेयर ऑफिसर के ऑफिस में एप्लीकेशन जमा कर सकते हैं।

कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का शिलान्यास, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा-क्षत्रीय विकास को मिलेगा नई दिशा

आज मुझे प्रसन्नता है कि वो क्षण आ गया है, जब कोटा एयरपोर्ट के निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है। अब तक कोटा के लोगों को जयपुर या जोधपुर जाकर फ्लाइट पकड़नी पड़ती थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ सहित पूरे हड़ौती क्षेत्र के लिए एक नई आशा और नई उपलब्धि का दिन है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि करीब डेढ़ हजार करोड़ रुपए की लागत से बनने जा रहा ये आधुनिक एयरपोर्ट आने वाले समय में पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाला है। मैं कोटा और पूरे हड़ौती क्षेत्र के लोगों को एयरपोर्ट के शिलान्यास के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अपनी बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं0।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, मुझे याद है कि नवंबर 2023 में जब मैं कोटा आया था, तब मैंने जनता से एक वादा किया था। मैंने कहा था कि कोटा का एयरपोर्ट सिर्फ एक सपना बनकर नहीं रहेगा, बल्कि उसे साकार करके दिखाया जाएगा। आज मुझे प्रसन्नता है कि वो क्षण आ गया है, जब कोटा एयरपोर्ट के निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है। अब तक कोटा के लोगों को जयपुर या जोधपुर जाकर फ्लाइट पकड़नी पड़ती थी। इसमें काफी समय भी लगता था और असुविधा भी होती थी। अब ये स्थिति बदलने जा रही है। जब ये एयरपोर्ट शुरू होगा, तो कोटा समेत आसपास के पूरे इलाके में यात्रा भी आसान होगी और व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा।

मोदी ने कहा कि कोटा केवल शिक्षा का ही नहीं, बल्कि ऊर्जा का भी एक बड़ा केंद्र है। कोटा वह अनूठा क्षेत्र है, जहां न्यूक्लियर हो, कोयला आधारित हो, गैस और पानी हो, ऊर्जा के सभी स्रोतों से बिजली का उत्पादन होता है। कोटा और हाड़ौती की ये धरती उद्यम और आस्था का भी बड़ा केंद्र है। सदियों से देश दुनिया के श्रद्धालु यहां मथुराधीश जी की पावन पीठ, केशवराय पाटन के तीर्थ, खड़े गणेश जी महाराज और गोदावरी बालाजी धाम के दर्शन के लिए आते रहते हैं0।

मोदी ने कहा कि कोटा आज कनेक्टिविटी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कोटा के दोनों प्रमुख रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, जो कोटा और बून्दी से होकर गुजर रहा है, पूरे क्षेत्र के विकास का नया द्वार खोल रहा है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि अब दिल्ली, वड़ोदरा और मुंबई जैसे बड़े शहरों की दूरी महज कुछ घंटों की रह गई है। बेहतर सड़क और रेल कनेक्टिविटी के कारण यहां नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं0। विशेष रूप से कृषि आधारित उद्योग के लिए ये क्षेत्र एक बड़ा केंद्र बनेगा। रेल और सड़क के बाद हवाई कनेक्टिविटी के ये नया अध्याय कोटा के विकास को और गति देगा। कोटा एयरपोर्ट पूरे हाड़ौती क्षेत्र और आसपास के जिलों के लिए प्रगति के नए अवसर लेकर आएगा।

सीकर में भूकंप के हल्के झटके

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए0। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सीकर में सुबह छह बजकर 32 मिनट पर 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार रानोली और आस-पास के इलाकों में भी झटके महसूस किए गए0।

भाजपा का मूल मंत्र 'फूट डालो और राज करो': अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'विक्षुब्ध' (डिस्टर्ब) इलाकों में संपत्ति बेचने व खरीदने को लेकर राज्य सरकार के नये विधेयक को 'विभाजनकारी' बताते हुए इसकी निंदा की है। गहलोत के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मूल मंत्र 'फूट डालो और राज करो' रह गया है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा में 'राजस्थान विक्षुब्ध क्षेत्रों में स्थावर संपत्ति के अंतरण का प्रतिषेध और परिसरों से किरायेदारों को बेदखली से संरक्षण के लिए उपबंध विधेयक 2026' शुक्रवार को ध्वनिमत से पारित किया गया। गहलोत ने इस विधेयक की निंदा करते हुए कहा, ''यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपनी राजनीतिक विफलताएं छिपाने के लिए भाजपा सरकार राजस्थान जैसे शांत प्रदेश को नफरत की आग में झोंकने के लिए 'डिस्टर्ब एरिया एक्ट' लेकर आई है।'' उन्होंने कहा कि ऐसा विभाजनकारी कानून निंदनीय है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि दूसरी ओर, राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा करोड़ों प्रदेशवासियों को 'स्वास्थ्य का अधिकार' देने के लिए बनाए गए स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच) कानून को भाजपा सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

हवाई पट्टियों के उन्नयन एवं नवीन हवाई अड्डों की स्थापना से राज्य की अर्थव्यवस्था बनेगी मजबूत : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने शनिवार को जयपुर में स्टेट हैंगर पर प्रदेश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र को लेकर बैठक की।

इस महत्वपूर्ण बैठक में राजस्थान में हवाई सेवाओं के विस्तार, हवाई पट्टियों में बढ़ोतरी और उन्नयन, हवाई अड्डों पर विकास कार्य, फ्लाइट कनेक्टिविटी बढ़ाने, नवीन ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की संभावनाएं तलाशने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई0।

बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान बड़ा भौगोलिक क्षेत्र वाला प्रदेश है। इसलिए धार्मिक, पर्यटन, शिक्षण एवं वाणिज्यिक स्थलों पर सुगम पहुंच के लिए नवीन हवाई पट्टी और घरेलू एयरपोर्ट की संभावनाओं पर काम किया जाना बेहद जरूरी है। इसी प्रकार केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ने प्रदेश में हवाई सेवाओं के बेहतर संचालन एवं नियंत्रण के लिए स्वतंत्र निदेशालय के गठन का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र तेजी से प्रगति कर सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बेहतर एयर कनेक्टिविटी और अत्याधुनिक हवाई सुविधाओं के लिए कार्ययोजना के अनुसार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आरसीएस उड़ान योजना के माध्यम से विभिन्न जिलों के मध्य हवाई सेवाओं के विस्तार और बढ़ोतरी तथा प्रमुख हवाईअड्डों से भी नवीन उड़ानों की कार्ययोजना पर काम किया जाना चाहिए0।

शर्मा ने कहा कि सूरतगढ़ में सिविल एन्कलेव की स्थापना की रूपरेखा पर कार्य किया जाना चाहिए0। वहीं, लालगढ़ हवाई पट्टी पर विकास कार्यों के लिए निर्देश भी दिए0। साथ ही, उन्होंने डीग-कुम्हेर, सिरोही, सीकर और भिवाड़ी में नवीन ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए0। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे क्षेत्रीय विकास होगा एवं आपात स्थिति में वैकल्पिक एयरपोर्ट की सुविधा मिल सकेगी। वहीं, पर्यटन विकास, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होगी तथा प्रवासी राजस्थानियों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने उत्तरलाई एयरपोर्ट पर नवीन सिविल एन्कलेव एवं एप्रोच रोड़ के कार्य को गति प्रदान करने के निर्देश दिए0।

इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अध्यक्ष एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया विपिन कुमार, प्रमुख शासन सचिव नागरिक उड्डयन विभाग नवीन जैन सहित मुख्यमंत्री कार्यालय एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लोगों का प्यार मेरे लिए सबसे बड़ा पद है : वसुंधरा राजे

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शनिवार को कहा कि उनके लिए राज्य के लोगों का प्यार ही सबसे बड़ा पद है। उन्होंने कहा कि अच्छा काम करेंगे तो पद आपके पास खुद चलकर आएगा। राजे ने युवा शक्ति परिषद राजस्थान द्वारा आयोजित 'सशक्त युवा-सशक्त राष्ट्र' सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, '' राजस्थानियों का प्यार ही मेरे लिए सबसे बड़ा पद है। राजनीति में सब लोगों को पद चाहिए0। काम अच्छा करो, पद आपके पास खुद चलकर आयेगा।''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रदेश में नशे का प्रचलन बढ़ता जा रहा है और युवा इससे दूर रहें तथा इसे रोकने में सरकार का सहयोग करें0। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि गूगल कंपनी के भारतीय मूल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई जैसे युवा श्रेष्ठ उदाहरण हो सकते हैं तो राजस्थान के युवा क्यों नहीं? राजस्थान के युवा विदेशों में जाकर नाम कमा सकते हैं तो यहां रह रहे युवा क्यों नहीं? एक बयान के अनुसार राजे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में युवा, भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम करें0। युवा एआई और नयी तकनीक क्वांटम कंप्यूटिंग का सदुपयोग करें। इनमें जो आगे होगा, वही दुनिया का नेतृत्व करेगा।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में होगी गैर संचारी रोगों की प्रभावी स्क्रीनिंग : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.co

जयपुर। प्रदेश के नागरिकों को उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता के साथ उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा रेफरल सिस्टम को और मजबूत किया जाएगा। साथ ही, डिजिटाइजेशन एवं ईसेवाओं को प्राथमिकता के साथ बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने शनिवार को जयपुर जिले के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण करते हुए इस संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए0।

मुख्य सचिव ने शनिवार प्रात: जयपुर के मालवीय नगर स्थित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बीलवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चाकसू के उप जिला अस्पताल एवं आजमनगर उप स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। संस्थानों में पंजीकरण, स्क्रीनिंग, जांच, उपचार, साफसफाई, स्टाफ एवं बैड सहित अन्य संसाधनों की उपलब्धता तथा उनके समुचित उपयोग को लेकर जानकारी ली। उन्होंने विगत समय में चिकित्सा संस्थानों के सघन निरीक्षण और नवाचारों से आए सुधारों को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नए भवनों के निर्माण, आधुनिक मशीनों की उपलब्धता तथा नवाचारों को प्रोत्साहन देने से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षानुरूप सुधार हो रहा है, इन सुधारों को और आगे बढ़ाने के लिए प्रोएक्टिव एप्रोच और स्मार्ट तरीकों के साथ काम किया जाए0।

मुख्य सचिव ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि प्रदेश में स्थापित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि स्थानीय स्तर पर ही गैर संचारी रोगों की प्रभावी स्क्रीनिंग कर लोगों को लाइफ स्टाइल डिजीज से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को भी और मजबूत किया जाए, ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में और कमी लाकर स्वास्थ्य मानकों को बेहतर किया जा सके। मुख्य सचिव ने चाकसू में राजकीय उप जिला अस्पताल का निरीक्षण करने के दौरान यहां रोगीभार अधिक होने के दृष्टिगत क्यू मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करने, रेफरल सिस्टम मजबूत करने, डिजिटिलाइजेशन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए0। उन्होंने अस्पताल के नए भवन के कार्य को गति देते हुए जल्द पूर्ण करने एवं तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए0। उन्होंने अस्पताल में रोगियों एवं उनके परिजनों से संवाद किया और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर फीडबैक लिया। रोगियों से प्राप्त सकारात्मक फीडबैक पर उन्होंने खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रोगियों की संतुष्टि ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का पैमाना है। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग की सराहना की। इसी प्रकार बीलवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर साफसफाई व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यहां एनसीडी रोगों की स्क्रीनिंग बढ़ाते हुए प्रभावी रेफरल सिस्टम विकसित किया जाए0। रेफरल का पूरा रिकॉर्ड सुनियोजित तरीके से संधारित किया जाए0। यहां स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन को और मजबूत कर रोगी भार बढ़ाया जाए, ताकि उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो। उन्होंने पेलिएटिव केयर, जीरियाट्रिक केयर और प्रसूति सेवाओं को भी सुदृढ़ करने पर बल दिया।

प्रदेश में नेट कंटेंट के परिपेक्ष्य में प्रीपैकेज्ड कमोडिटी में सही तौल सुनिश्चित करने हेतु 26 फर्मों पर की गई कार्यवाही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.co

जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा पैकेज्ड कमोडिटी रूल्स, 2011 के अंतर्गत प्रि-पैकेज्ड वस्तुओं में उपभोक्ताओ को पूरा तौल मिलना सुनिश्चित किए जाने हेतु प्रदेश की मसाले, तेल ,आटा, नमकीन, डेयरीक्रीम, दूध, चायपत्ती आदि उत्पाद प्रीपैक करने वाले मैन्युफैक्चरर पैकर फ़र्मो पर नेट कंटेंट के परिपेक्ष्य में प्रदेश में कुल 26 निरीक्षण किये गये। विधिक मापविज्ञान अधिनियम - 2009 एवं डिब्बा बन्द वस्तुएँ नियम-2011 के अन्तर्गत 26 फर्मों पर निरीक्षण कारवाई की गई0। जिनमें से पैकेज्ड कमोडिटी नियम ,2011 के तहत तथा सत्यापन प्रमाण पत्र एवं सत्यापित बाट माप नही पाये जाने पर फर्मो पर प्रकरण दर्ज कर फर्मो के विरूद्ध मौके पर ही नोटिस जारी करने की कार्यवाही की जाकर 278500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

डिब्बा बंद वस्तुएं नियम के तहत फर्मो के विरूद्ध मौके पर ही नोटिस निरीक्षणों का उद्देश्य व्यापारियों को उपभोक्ताओं के व्यापक हित में सही माप तौल करने के लिये प्रेरित करने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनके मूल अधिकारों के बारे में सूचित किये जाने तथा उपभोक्ता हितों का संरक्षण करना है। किसी भी प्रकार की सेवा एवं वस्तुएं जो राशी देकर प्राप्त की गई है, उन सेवाओं और वस्तुओं की शुद्धता, गुणवता, मानक, मात्रा एवं सही माप तौल उपभोक्ता का विधिक अधिकार है इन अधिकारों के उल्लंघन पर उपभोक्ता, उपभोक्ता मामले विभाग को शिकायत कर सकता है।

राज्य उपभोक्ता हैल्पलाइन नं. 18001806030 एवं 14435 एवं वाट0सएप नं. 7230086030 पर शिकायत की जा सकती है।

उपभोक्ता हैल्पलाइन शिकायत दर्ज करने के साथ ही परामर्श सलाह एवं मार्गदर्शन का काम भी करती है।

150 साल बाद ज्ञान भंडार से बाहर आई दादागुरुदेव की पवित्र चादर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.co

जैसलमेर। स्वर्णनगरी जैसलमेर में आयोजित तीन दिवसीय दादागुरुदेव चादर महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को आस्था, श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत ऐतिहासिक भव्य वरघोड़ा निकाला गया। इस अवसर पर लगभग 150 वर्षों बाद सोनार दुर्ग स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के ज्ञान भंडार से दादागुरुदेव जिनदत्तसूरीजी महाराज की 871 वर्ष से भी अधिक प्राचीन पवित्र चादर को विधिवत पूजन-अर्चना के साथ बाहर लाया गया। जैन समाज में इस चादर का अत्यंत धार्मिक महत्व है और इसे गहन श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। वरघोड़ा महोत्सव स्थल पर पहुँच कर धर्मसभा में तब्दील हो गया। जहाँ पवित्र चादर का वासक्षेप सहित गंगोत्री और मानसरोवर से लाए गए जल से अभिषेक किया गया। दादा गुरुदेव जिनदत्त सूरि चादर समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में अवसर पर मंच पर गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि, आचार्य मनोज्ञ सागर सूरि, वसन्त विजय जी, महोत्सव समिति के अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढ़ा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत,मौजूद रहे। जैसलमेर में आयोजित चादर महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक तेजराज गोलेच्छा, राष्ट्रीय सचिव पद्म टाटिया, समन्वयक प्रकाश चंद लोढ़ा और समायोजक महेंद्र भंसाली है। मंच के दोनों तरफ़ जैन एवं हिंदू संतों के सान्निध्य में कार्यक्रम को आध्यात्मिक गरिमा प्राप्त हुई।

इस मौके पर गच्छाधिपति आचार्य जिनप्रभमणि सूरीश्वरजी महाराज ने कहा कि अमरसागर जैन मंदिर की स्थापना के समय चादर की पेटी नहीं खोली गई थी और इसे प्रतिष्ठा स्थल पर ही विराजित किया गया था। उन्होंने कहा कि आज जब यह पवित्र चादर बाहर आई है और हम सभी इसके दर्शन कर पा रहे हैं, तो यह अत्यंत गौरव और सौभाग्य का क्षण है। आचार्य ने जैसलमेर के पूज्य वृद्धिचंद्रजी महाराज के भावों को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने लगभग डेढ़ सौ वर्ष पूर्व इस पवित्र चादर को पाटन से जैसलमेर लाकर विराजित किया था। उन्होंने जैसलमेर जैन ट्रस्ट और यहां के जैन समाज के प्रवासी परिवारों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इतने वर्षों तक इस अमूल्य धरोहर को श्रद्धापूर्वक सुरक्षित रखा।

उन्होंने यह भी कहा कि जैसलमेर ऐसा स्थान है जहां केवल देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व से लोग आते हैं और यहां 36 कौमों का संगम होता है। इसलिए यहां जैन धर्म की विरासत और इतिहास को दर्शाने के लिए एक विशेष संग्रहालय (म्यूजियम) की स्थापना होनी चाहिए, जिससे जैन धर्म के सिद्धांतों और संस्कृति का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके तथा जैसलमेर की इस विरासत का संरक्षण हो सके।

चादर महोत्सव समिति के राष्ट्रीय सचिव पदम टाटिया ने बताया की गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि और जैन मुनियों के सानिध्य में पवित्र चादर को सोनार किले से गड़सीसर सर्किल तक लाया गया, जहां इसे विशेष रूप से तैयार किए गए भव्य रथ में विराजित किया गया। इसके बाद गच्छाधिपति आचार्य जिनप्रभमणि सूरीश्वरजी और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने हरी झंडी दिखाकर विशाल वरघोड़ा शोभायात्रा को प्रारंभ किया। पवित्र चादर का पूरे रास्ते सर्वसमाज ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।भव्य वरघोड़े में हजारों श्रद्धालु, जैन संत-मुनि, साध्वी एवं महात्मा शामिल हुए0। शोभायात्रा में 21 सजे-धजे घोड़े, 21 ऊंट, 2 हाथी, 20 नासिक ढोल की टीमें, कच्ची घोड़ी नृत्य दल, विशेष रूप से सजाया गया रथ तथा विभिन्न प्रांतों से आए लोक कलाकार आकर्षण का केंद्र बने। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से पुष्प वर्षा की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर हो उठा। गड़सीसर सर्किल से निकला यह वरघोड़ा नगर परिषद, एयरफोर्स सर्किल, नीरज सर्किल, हनुमान सर्किल और गीता आश्रम मार्ग से होते हुए डेडानसर मेला ग्राउंड स्थित महोत्सव स्थल पहुंचा। रास्ते भर श्रद्धालुओं ने पवित्र चादर के दर्शन कर जयकारों के साथ अपनी श्रद्धा व्यक्त की। महोत्सव स्थल पर परंपरानुसार पवित्र चादर को विशेष कांच के पात्र में विराजित किया गया।

आचार्य जिनप्रभमणि सूरीश्वरजी महाराज के सानिध्य में दीप प्रज्वलन और मंत्रोच्चारण के साथ चादर का विधिवत अभिषेक एवं पूजन संपन्न हुआ0। इस अवसर पर चादर को एक विशेष रथ में लाया गया था, जिसे पानी के जहाज के आकार में भव्य रूप से सजाया गया था।

उत्तर प्रदेश बना विश्वास का प्रतीक, यही हमारी सबसे बड़ी पूंजी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब समाज, सरकार और संस्थाएं एक दिशा में सोचकर काम करती हैं तो उसका परिणाम विश्वास के रूप में सामने आता है।

उन्होंने कहा कि विश्वास ही किसी समाज और राज्य की सबसे बड़ी पूंजी होती है तथा इसके लिए निरंतर प्रयास आवश्यक है, इसलिए आज उत्तर प्रदेश देश में विश्वास का प्रतीक बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को आगरा में एक निजी अस्पताल के लोकार्पण के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

योगी ने कहा कि स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं है और स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती, सुलभ तथा विश्वसनीय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलना उसका अधिकार है और प्रत्येक संप्रभु देश की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों को यह सुविधा उपलब्ध कराए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है, देश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में विरासत और विकास का अद्भुत समन्वय दिखाई दे रहा है तथा राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, नई रेलवे लाइनों और आधुनिक तकनीक के साथ वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनों के माध्यम से लोगों को यात्रा का नया अनुभव मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपने स्तर पर लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन जब सरकार और समाज मिलकर काम करते हैं तो परिणाम कई गुना बढ़ जाते हैं।

देश के अन्य राज्यों की तुलना में बंगाल में पेट्रोल और डीजल महंगा क्यों : चक्रवर्ती

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट की स्थिति के दुष्परिणामों को जानते हुए भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रसोई गैस के सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही हैं। चक्रवर्ती ने ममता बनर्जी सरकार पर देश के कई अन्य राज्यों की तुलना में ईंधन पर अधिक कर लगाने का भी आरोप लगाया।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर तेल कंपनियों द्वारा ऊर्जा की बढ़ती कीमतों को ध्यान में रखते हुए, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में शनिवार को प्रति सिलेंडर 60 रुपए की वृद्धि की गई। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि के कारण तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की महिला शाखा द्वारा विरोध प्रदर्शन की घोषणा करने के बारे में पूछे जाने पर, भाजपा नेता ने ममता पर तेल और गैस से समृद्ध पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति को मुद्दा बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा कि उनका मानना है कि अमेरिका, इजराइल, ईरान और कई अन्य खाड़ी देशों के बीच चल रहे युद्ध की स्थिति के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है। चक्रवर्ती ने सवाल किया, '' देश के अन्य राज्यों की तुलना में पश्चिम बंगाल में पेट्रोल और डीजल महंगे क्यों हैं? '' उन्होंने सवाल किया कि ममता बनर्जी की सरकार देश के कई अन्य राज्यों की तरह ईंधन पर लगाए गए करों को क्यों नहीं घटा रही है। यहां राज्य भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि पश्चिम बंगाल में प्रमुख मुद्दा लोगों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा है।

अब पूर्वोत्तर क्षेत्र की पहचान अवसरों से होती है, न कि दिल्ली से दूरी से : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को जोर देकर कहा कि पूर्वोत्तर को अब राष्ट्रीय राजधानी से उसकी भौगोलिक दूरी से नहीं, बल्कि नए आर्थिक अवसरों की निकटता से परिभाषित किया जाता है।

यहां मिजोरम विश्वविद्यालय (एमजेडयू) के 20वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने पिछले दशक में क्षेत्र के विकास के दृष्टिकोण में आए बदलाव का उल्लेख किया और इसका श्रेय केंद्र सरकार द्वारा 'एक्ट ईस्ट' नीति पर दिए गए ध्यान को दिया। उन्होंने कहा कि हाल ही में शुरू हुई बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन सहित बेहतर आवागमन सुविधा और 'उड़ान' एवं 'पीएम-डिवाइन' जैसी पहलों से विकास में तेजी आ रही है और इस क्षेत्र के लोगों को नए अवसरों के निकट लाया जा रहा है।

स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए राधाकृष्णन ने उनसे स्वयं को विकसित भारत के निर्माता के रूप में देखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आइजोल की सुरम्य पहाड़ियों में स्थित यह विश्वविद्यालय, शांति और उद्देश्य पर आधारित शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति का एक प्रमाण है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, पूर्वोत्तर के युवाओं से नौकरी की तलाश से आगे बढ़कर अवसरों के सृजन पर ध्यान केन्द्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन, बांस पर आधारित उद्योगों, जैविक कृषि, हस्तशिल्प और डिजिटल सेवाओं जैसे सेक्टरों की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया।

युवाओं में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के बढ़ते खतरे पर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने युवाओं से मादक पदार्थों से दूर रहने और अनुशासित एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रौद्योगिकी एवं सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने की सलाह दी।

दीक्षांत समारोह में मिजोरम के राज्यपाल एवं मिजोरम विश्वविद्यालय के मुख्य रेक्टर जनरल विजय कुमार सिंह, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, मिजोरम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिबाकर चंद्र डेका भी उपस्थित थे।

आज का राजा गाय को माता नहीं मान रहा, इसलिए उसे ललकारना जरूरी : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

जौनपुर (उप्र)/भाषा। ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शनिवार को कहा कि आज का राजा गाय को माता नहीं मान रहा है, बल्कि उसे संपत्ति के रूप में देखने लगा है, ऐसे में उसे ललकारना आवश्यक हो गया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शनिवार को उत्तर प्रदेश के जौनपुर पहुंचे और यहां उन्होंने गोमती नदी तट पर स्थित जमैथा गांव में महर्षि यमदग्नि मुनि के आश्रम में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, आज का राजा गाय को माता नहीं मान रहा है, बल्कि उसे संपत्ति के रूप में देखने लगा है। ऐसे में उसे ललकारना आवश्यक हो गया है।

शंकराचार्य ने कहा कि जौनपुर की यह धरती महर्षि यमदग्नि और भगवान परशुराम की तपोभूमि रही है। गोमती नदी के किनारे ही गाय की सेवा और संरक्षण की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि जमैथा गांव में गोमती नदी के तट पर महर्षि यमदग्नि ने गाय की सेवा की थी। उस समय के राजा ने जबरन उनकी गाय छीन ली थी। जब यह बात उनके पुत्र भगवान परशुराम को पता चली तो उन्होंने अन्याय के खिलाफ खड़े होकर राजा और उसकी सेना का वध कर गाय को वापस लिया था। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में माता के समान मानी जाती है, यदि शासन व्यवस्था उसे केवल संपत्ति मानकर देखेगी तो यह परंपरा और आस्था का अपमान है। इसलिए संत समाज इस विषय पर आवाज उठाने को बाध्य है। उन्होंने कहा कि जौनपुर आकर महर्षि यमदग्नि का आशीर्वाद लेकर वह अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने का संकल्प लेकर निकले हैं। उन्होंने कहा कि संत समाज का दायित्व है कि वह समाज और धर्म की रक्षा के लिए समय-समय पर सच बोले और अन्याय का विरोध करे।

इस दौरान आश्रम में बड़ी संख्या में साधु-संत और श्रद्धालु मौजूद रहे। शंकराचार्य ने आश्रम में पूजा-अर्चना कर देश और समाज के कल्याण की कामना भी की।

विज्ञान और कूटनीति को मिलकर काम करना होगा : मैरीलीन एंडरसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्विट्जरलैंड स्थित संस्था 'जिनेवा साइंस एंड डिप्लोमेसी एंटिसिपेटर' (जीईएसडीए) ने कहा कि 'सीईआरएन' के साथ मिलकर 'ओपन क्वांटम इंस्टीट्यूट' की स्थापना का विचार यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में जब क्वांटम कंप्यूटिंग उपलब्ध हो तो यह ''सभी के लिए सुलभ'' हो।

फिलहाल 'रायसीना डायलॉग' में शामिल होने के लिए भारत दौरे पर आईं जीईएसडीए की महानिदेशक मैरीलीन एंडरसन ने भी कहा कि विज्ञान और कूटनीति को इस अर्थ में एक साथ काम करना होगा कि वे एक दूसरे को ''सकारात्मक रूप से प्रभावित'' करते हों या एक दूसरे के लिए आवश्यक हों।

नई दिल्ली में स्विस दूतावास में शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में उन्होंने 2019 में स्थापित फाउंडेशन के दृष्टिकोण और उभरती वैज्ञानिक खोजों का पूर्वानुमान लगाने तथा उन्हें समाज के लाभ के लिए ठोस कार्यों में बदलने के संस्था के मिशन के बारे में बात की। भौतिक विज्ञानी के रूप में प्रशिक्षित एंडरसन, विज्ञान और इंजीनियरिंग, डिजाइन, समाज और संस्कृति के बीच के अंतर्संबंधों पर महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। विज्ञान और कूटनीति किस प्रकार एक सार्थक सहयोग में एक साथ आ सकते हैं, इस विषय पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कण भौतिकी पर अनुसंधान के लिए एक प्रमुख वैश्विक संस्थान के रूप में 1950 के दशक में सीईआरएन की स्थापना का उदाहरण दिया। एंडरसन ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है, जिसे संभवत: सभी लोग पहले से जानते हैं। यह सीधे तौर पर जीईएसडीए से संबंधित तो नहीं है, लेकिन जीईएसडीए के सहयोगी संस्थान सीईआरएन से संबंधित है। सीईआरएन की स्थापना अंतरराष्ट्रीय सहयोग से हुई थी, जिसमें सभी वैज्ञानिकों और विज्ञान को एक साथ लाकर ब्रह्मांड की उत्पत्ति का अध्ययन किया गया और व्यापक अर्थों में मानवता के उद्गम को समझा गया। इसलिए, यह विज्ञान और कूटनीति के सफल मेल का एक सशक्त उदाहरण है।'' उन्होंने कहा कि जीईएसडीए में वे (वैज्ञानिक) वास्तव में वर्तमान में क्वांटम के क्षेत्र में सीईआरएन के साथ काम कर रहे हैं। एंडरसन ने कहा, ''तो, यह सूचना 'इनकोडिंग' का अगला चरण है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के साथ मिलकर काम करेगा, जिसके बारे में आजकल बहुत चर्चा हो रही है और जो बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रही है। क्वांटम की अपनी एक खास प्रकृति है... क्वांटम कंप्यूटर अभी औपचारिक रूप से मौजूद नहीं हैं, लेकिन प्रयोगशाला में प्रयोग किए जा रहे हैं।

समाजवादी पार्टी नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाना चाहती थी : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी चाहती थी कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनें, लेकिन अब वह राज्यसभा सदस्य बनने जा रहे हैं। उन्होंने शनिवार को यहां पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि जब सपा ने पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन किया था, तब पार्टी चाहती थी कि बसपा प्रमुख मायावती प्रधानमंत्री बनें।

समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख ने कहा, ''जब 'इंडिया' गठबंधन बना तो हम सब मिलकर नीतीश कुमार जी को प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे। लेकिन जब बिहार का चुनाव हुआ तो हम लोगों ने कहा कि अब नीतीश जी प्रधानमंत्री के रूप में नहीं बल्कि मुख्यमंत्री के रूप में सेवानिवृत्त होंगे। लेकिन भारतीय जनता पार्टी एक कदम और आगे निकल गई तथा अब उन्हें (नीतीश) राज्यसभा सदस्य के रूप में सेवानिवृत्त करेगी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्याक) समुदाय से संबंधित लोगों का अपमान है। उन्होंने पत्रकारों से सवाल किया ''आप लोग बताएं कि राज्यसभा सदस्य बड़ा है या मुख्यमंत्री।''

अखिलेश के पीडीए का मतलब पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक है और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पिछड़ा वर्ग से आते हैं।

इससे पहले बृहस्पतिवार को नीतीश कुमार को राज्यसभा सदस्य बनाए जाने की खबरों पर अखिलेश ने 'एक्स' पर लिखा था, ''बिहार के इतिहास का सबसे बड़ा अपहरण! यह दिखने में राजनीतिक अपहरण है, लेकिन दरअसल यह बिहार का आर्थिक अपहरण है। भाजपा ने तो फिरौती में पूरा बिहार माँग लिया। अगला नंबर समझदार को इशारा काफ़ी।''

निशांत को बिहार का उपमुख्यमंत्री, एमएलसी बनाने का फैसला : नीतीश के सहयोगी

पटना/भाषा। बिहार में जनता दल (यू) के विधायक हरिनारायण सिंह ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद राज्य में बनने वाली नई सरकार में पार्टी प्रमुख के बेटे निशांत को उपमुख्यमंत्री बनाने का ''सर्वसम्मति'' से निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री के करीबी माने जाने वाले व नालंदा जिले के हरनौत से विधायक सिंह ने दावा किया कि निशांत अगले महीने राज्य विधान परिषद के लिए निर्वाचित होंगे। जद (यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा मुख्यमंत्री पद छोड़ने और राज्यसभा जाने के अपने निर्णय के बारे में अपने सहयोगियों को जानकारी देने के एक दिन बाद सिंह ने यहां निजी समाचार चैनल को बताया, ''कल मुख्यमंत्री के आवास पर हुई विधायक दल की बैठक में, नई सरकार में निशांत को उपमुख्यमंत्री बनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।'' जद (यू) विधायक सिंह ने कहा, ''यह भी निर्णय लिया कि निशांत औपचारिक रूप से जद (यू) में शामिल होंगे। चूंकि एक संवैधानिक पद संभालने के लिए उन्हें विधानमंडल का सदस्य बनना आवश्यक है, इसलिए अप्रैल में नौ सीट के लिए होने वाले द्विवार्षिक चुनाव में वह विधान परिषद के लिए निर्वाचित होंगे।

जनता पर लगातार ''महंगाई का हंटर'' चला रहे हैं प्रधानमंत्री: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए बढ़ोतरी को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ''जनता पर लगातार महंगाई का हंटर'' चला रहे हैं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''घरेलू एलपीजी सिलेंडर में 60 रुपए का इजाफा, वाणिज्यिक एलपीजी में कमाया 115 रुपए का मुनाफा, पहले कम अंतरराष्ट्रीय दामों का लाभ जनता से छीना, अब महंगाई के बोझ से जनता का निकाला पसीना।'' उन्होंने कहा, ''जंग होने पर 'सब चंगा सी' वाली दावेबाज मोदी सरकार पर्याप्त तेल-गैस, उर्वरक मुहैया कराने में लाचार है।''

कांग्रेस ने 'एक्स' पर अपने आधिकारिक 'हैंडल' से पोस्ट किया, '' 'महंगाई मैन' मोदी ने जनता को झटका दिया । मोदी सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम सीधे 60 रुपए बढ़ा दिए हैं। वहीं, वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के लिए अब आपको 115 रुपए ज्यादा चुकाने होंगे। उसने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता पर लगातार ''महंगाई का हंटर चला रहे'' हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच घरेलू एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपए की वृद्धि की गई है। आईओसी की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में अब गैर-सब्सिडी वाली एलपीजी (जिसका इस्तेमाल उज्ज्वला लाभार्थियों के अलावा आम घरेलू उपभोक्ता अपनी रसोई में करते हैं) का 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर 913 रुपए में मिलेगा जबकि पहले इसकी कीमत 853 रुपए थी। एक साल से भी कम समय में कीमत में दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है।

''राष्ट्रपति भाजपा के इशारे पर बंगाल चुनावों से पहले राजनीति कर रही हैं'' : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में आदिवासियों के विकास की गति पर सवाल उठाने के लिए शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर निशाना साधा और उन पर भाजपा के इशारों पर विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति करने का आरोप लगाया।

उत्तर बंगाल की यात्रा के दौरान मुर्मू द्वारा की गई टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए राष्ट्रपति कार्यालय का दुरुपयोग कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कोलकाता में एक धरना स्थल पर कहा, ''भाजपा इतना नीचे गिर गई है कि वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का इस्तेमाल राज्य को बदनाम करने के लिए कर रही है।'' उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम में राज्य प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति के बारे में उन्हें दी गई जानकारी गलत थी।

बनर्जी ने कहा कि चुनाव से पहले ऐसे कार्यक्रमों में हमेशा शामिल होना उनके लिए संभव नहीं होता। उन्होंने कहा, ''अगर आप साल में एक बार आती हैं तो मैं आपका स्वागत कर सकती हूं, लेकिन अगर आप चुनाव के दौरान आती हैं, तो मेरे लिए आपके कार्यक्रमों में शामिल होना संभव नहीं होगा क्योंकि मैं लोगों के अधिकारों के लिए काम कर रही हूं।''

इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने ममता बनर्जी को अपनी 'छोटी बहन' बताया और हैरानी जताई कि क्या पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री किसी बात को लेकर 'नाराज' हैं, क्योंकि उत्तर बंगाल दौरे के दौरान उनका स्वागत करने के लिए न तो मुख्यमंत्री आईं और न ही कोई अन्य मंत्री मौजूद था।

मुर्मू सिलीगुड़ी के पास बिधाननगर में आदिवासियों की एक सभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने आदिवासी समुदाय के वार्षिक कार्यक्रम के आयोजन स्थल को बिधाननगर से गोशाईपुर स्थानांतरित किए जाने पर भी सवाल उठाया, जहां कथित तौर पर उपस्थिति कम रही।

महिला हॉकी विश्व कप में जगह बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा भारत को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। अनुभवी कोच शोर्ड मारिन के टीम से जुड़ने के बाद उत्साह से भरी भारतीय टीम एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ क्वालीफायर में उरुग्वे के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में जीत दर्ज करके अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत करने की कोशिश करेगी।

इस टूर्नामेंट में आठ टीमें मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया विश्व कप के तीन स्थानों के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे। इस टूर्नामेंट में विश्व कप के तीन स्थान दांव पर लगे होने का मतलब है कि पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम बेल्जियम और नीदरलैंड में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। इसी दौरान इन दोनों देशों में पुरुष विश्व कप भी खेला जाएगा। यह मारिन की मुख्य कोच के रूप में पहली जिम्मेदारी होगी। नीदरलैंड के इस कोच 2021 के टोक्यो ओलंपिक में भारतीय टीम के ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने के बाद पद छोड़ दिया था और अब वह वापसी कर रहे हैं। भारत इस समय विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और टूर्नामेंट में सातवें नंबर की टीम इंग्लैंड के बाद दूसरी सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम है। भारत की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, ''हम अपने प्रशंसकों के सामने घरेलू मैदान पर क्वालीफायर खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। टीम ने इस टूर्नामेंट के लिए कड़ी तैयारी की है क्योंकि हम जानते हैं कि दांव पर क्या लगा है। यहां हर टीम विश्व कप में जगह बनाने के लिए खेल रही है, इसलिए हम शुरुआत से ही कड़े मुकाबलों की उम्मीद कर रहे हैं।''

विश्व रैंकिंग के हिसाब से देखें तो भारत उरुग्वे के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार है। इसके बाद भारतीय टीम नौ मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स से भिड़ेगी। इसी बीच दिन के अन्य मैचों में इंग्लैंड का मुकाबला इटली से, कोरिया का ऑस्ट्रिया से और स्कॉटलैंड का वेल्स से होगा। क्वालीफायर में टीमों को दो पूल में विभाजित किया गया है, जिसमें इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में जबकि मेजबान भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स पूल बी में हैं।

टीम की हर रणनीतिक चर्चा में बुमराह का नाम आना स्वाभाविक: सैंटनर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने शनिवार को कहा कि भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल से पहले जसप्रीत बुमराह जैसी काबिलियत वाले गेंदबाज का नाम उनकी टीम की रणनीतिक चर्चाओं में आना स्वाभाविक है। बुमराह इस टी20 विश्व कप में शानदार फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनके डेथ ओवर के प्रदर्शन को अब तक की यादगार गेंदबाजी में गिना जा रहा है।

सैंटनर ने कहा, ''बुमराह, मुझे लगता है कि वह जिस तरह से खेल रहे हैं, उनका नाम हर चर्चा में होना चाहिए। इंग्लैंड के खिलाफ उनकी गेंदों को हिट करना काफी मुश्किल लग रहा था। और निश्चित रूप से वह भारत के लिए 'गेम चेंजर' (मैच का रुख बदलने वाले' थे।'' लेकिन सैंटनर ने साथ ही चेतावनी भी दी कि केवल बुमराह पर ध्यान देना मूर्खतापूर्ण होगा क्योंकि कई भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग मैचों में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने कहा, ''हमें पता था कि बुमराह हमेशा अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वह स्पष्ट रूप से एक विश्व-स्तरीय गेंदबाज हैं। लेकिन सिर्फ वह ही नहीं, टीम के हर सदस्य ने अलग समय पर योगदान दिया है। और बतौर टीम, आप इसी तरह होना चाहते हैं। ''

सुविचार

गरीब को हंसते हुए देख कर दिल को यकीन हो गया कि खुशियां कभी पैसे से नहीं आ सकती।

ट्वीट

मुझे याद है कि नवंबर 2023 में जब मैं कोटा आया था, तब मैंने कोटा की जनता से एक वादा किया था। मैंने कहा था कि कोटा का एयरपोर्ट सिर्फ एक सपना बनकर नहीं रहेगा, बल्कि उसे साकार करके दिखाया जाएगा।

-नरेन्द्र मोदी

हाड़ौती और संपूर्ण राजस्थान के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोटा-बून्दी को मिलने जा रहे ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का आज शिलान्यास एवं भूमि पूजन होने जा रहा है।

-ओम बिरला

कहानी

एक और परीक्षा

अचानक ऑटो चालक की आवाज सुनकर वह वर्तमान में लौटी। उसने देखा कि वह बाबूजी के घर पहुंच गई थी। धीमी बारिश उस समय भी हो रही थी। उसने चालक को पैसे दिए और अपना थैला संभालते हुए घर के अंदर आ गई। दोनों भाई सपत्नीक किसी बातचीत में मशगूल थे। उसे देखकर सभी चुप हो गए । उसने अपने भाइयों से बाबूजी की मृत्यु के बाद होने वाले सभी काम धर्म और शास्त्रों के अनुसार ही कराने का कहा।

आसमान में सुबह से ही घने बादलों की आवाजाही के साथ शहर में हो रही बारिश थमने का नाम ही नहीं ले रही थी। घड़ी में समय के साथ बढ़ती सुईयों की आवाज कमरे में नेहा और उसके अपाहिज पुत्र के अलावा अपनी भी उपस्थिति दर्ज करवा रही थीं0। उसका दूसरा पुत्र अपने ननिहाल में काम में हाथ बंटाने के लिए सुबह ही बारिश शुरु होने से पहले वहां चला गया था। बारिश थमने का इंतजार करते हुए उसका किसी भी काम में मन नहीं लग रहा था। उसके पिता (बाबूजी) की मृत्यु हुए आज दो दिन ही हुए थे। दोपहर होने से पहले वह अपने घर के बाहर आकर मजबूती से पॉलीथिन में रखे थैले को पकड़े हुए बारिश से बचते हुए ऑटो रिक्शा का इंतजार करने लगी। एक ऑटो रिक्शा चालक द्वारा बाबूजी के घर तक पहुंचाने का ज्यादा पैसे मांगने पर भी वह उसमें बैठ गई और उसे चलने का कहा। वह जल्दी से जल्दी अपने बाबूजी के घर जाकर दोनों भाइयों को कहकर सभी धार्मिक और सामाजिक कार्य भाइयों द्वारा निष्ठापूर्वक करवाना चाहती थी। इस कार्य में आने वाली भाइयों की मानसिक उलझन को उसने अपने स्तर पर तो दूर कर ही दिया था। अपने भाइयों के व्यवहार से उसे आश्चर्य हो रहा था। उसके लिए यकीन कर पाना मुश्किल हो गया था कि सम्पन्न होने के बावजूद उसके दोनों भाई और उनके परिवार के सभी सदस्य इतने संवेदनहीन कैसे हो गए थे ? क्या संतान के प्रति फर्ज़ निभाने का धर्म सिर्फ़ माता- पिता का होता है ? क्या संतान का माता - पिता के प्रति कोई फर्ज़ नहीं होता ? क्या पैसों के लालच ने उनकी माननीय संवेदनाओं को खोखला कर दिया था ? इन्ही सवालों के जवाब ढूंढने की कोशिश में वह अपने परिवार से जुड़ी अतीत की यादों में खो गई0।

सामाजिक संस्कारों और मूल्यों की पालना करने वाले एक कुलीन ब्राह्मण परिवार में जन्मी नेहा तीन भाई बहिनों में सबसे बड़ी थी। उसमें और दोनों छोटे भाइयों की उम्र में एक दो साल का ही फर्क था। नेहा की माँ गृहणी और बाबूजी एक प्राइवेट शुगर मिल में सुपरवाइजर के पद पर काम करते थे। कम उम्र में ही माँ की मृत्यु हो जाने के बाद बाबूजी पूरी तरह टूट गए थे। गुजरते वक़्त के साथ उन्होंने किसी तरह खुद को और बच्चों को संभाला । दोनों भाइयों की देखभाल और घर के कामों के कारण नेहा दसवीं कक्षा से आगे नहीं पढ़ सकी। बाबूजी ने अपने बच्चों के लिए ताउम्र माता और पिता का फर्ज़ निभाया। नेहा ने भी समय रहते भाइयों के प्रति अपना फर्ज़ समझते हुए उनका भविष्य बनाने में यथासंभव पूरा योगदान दिया। बाबूजी ने अपनी आय के सीमित संसाधनों के बावजूद अपने दोनों पुत्रों को अच्छी शिक्षा दिलाने के भरसक प्रयास किए0। अपनी जरुरतों और इच्छाओं की पूर्ति नहीं करते हुए उन्होंने बच्चों की जरुरतों और इच्छाओं की पूर्ति करने में ही खुद को झोंके रखा। उनके इन्ही प्रयासों से नेहा के दोनों भाई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करने के बाद कम्पनियों में उच्च पद पर नौकरी लग पाए थे। अपने दोनों पुत्रों की उच्च शिक्षा के लिए बैंक और अन्य संस्थाओं से लिए गए ऋण की मासिक किश्तें चुकाते - चुकाते ही बाबूजी किराये के मकान में रहते हुए शुगर मिल से एक दिन विधिवत रिटायर भी हो गए0। उनके रिटायरमेंट से पहले नेहा का विवाह कंस्ट्रक्शन का काम करने वाले गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्टर राजन से हो गया था। नेहा इसी शहर में अपने ससुराल में खुश थी।

उसके दोनों भाई दूसरे अलग - अलग शहरों में नौकरी लगने के कारण वहां चले गए थे। बाबूजी ने उनमें से किसी के भी साथ जाने के लिए साफ मना कर दिया था। बच्चों के बाहर जाने के बाद वे बरसों से किराये के मकान में एकदम अकेले हो गए थे। लेकिन उनका मन इसी शहर और माहौल में लगता था । मकान मालिक को भी उनके वहां रहने में कोई आपत्ति नहीं थी। रिटायरमेंट के समय मिले पैसों को बाबूजी ने बैंक में जमा करा दिया था । बाबूजी उससे ब्याज से मिलने वाले उनका गुजारा करने के लिए पर्याप्त थे। नेहा बाबूजी से मिलने और उन्हे संभालने सप्ताह में एक बार आ जाया करती थी । बाबूजी अपना ज्यादातर समय पूजा पाठ में व्यतीत करने लगे थे। अपना कुछ समय वे समाज सेवा में भी दिया करते थे।

वक़्त पंख लगाकर उड़ रहा था। दोनों भाइयों ने बाबूजी से अनुमति लिए बगैर अपने साथ ऑफिस में काम करने वाली सहकर्मियों के साथ अंतरजातीय विवाह कोर्ट में जाकर कर लिया था। यह सब जानने के बाद बाबूजी मन ही मन बहुत दुखी हुए थे। उन्होने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उनके पुत्र पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों की खुलेआम अवहेलना करेंगे । लेकिन उनके मन की बात सुनने वाला उस वक़्त वहां कोई नहीं था। दिमागी परेशानी के बावजूद बच्चों की खुशी में अपनी खुशी मानते हुए, मन को किसी तरह समझाते हुए वे शांत रहे। वे यह भलीभांति जानते थे कि इसके अलावा वे कुछ कर भी नहीं सकते थे। अपनी और परिवार की समाज में प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए बाबूजी ने दोनों पुत्रों के नहीं चाहते हुए भी उनके विवाह का रिसेप्शन इसी शहर में दिया था। अपने - अपने शहर जाने के बाद वक़्त के साथ दोनों का इस शहर आना धीरे - धीरे कम होता गया था। दोनों भाइयों के दो - दो बच्चे हुए । नेहा के भी दो बच्चे हुए0। लेकिन नेहा का बड़ा लड़का अपाहिज था।

कहते हैं न कि परेशानियां कभी सूचना देकर नहीं आतीं0। ऐसा ही कुछ नेहा के साथ भी हुआ0। राजन की अचानक मालूम

चली असाध्य बीमारी और कुछ समय बाद ही उसकी मृत्यु से नेहा का हंसता खेलता संसार ही उजड़ गया। वक़्त ने छोटी उम्र में ही उसकी ज़िंदगी की दशा और दिशा ही बदल दी थी। राजन के साथ देखे भविष्य के सपने टूटकर उसके चारों ओर बिखरे पड़े थे। उसे अपने चारों ओर अंधकार नज़र आने लगा था। उसके दिल और दिमाग में अपने और बच्चों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के बीज पनपने लगे थे। उसकी ज़िंदगी के मायने ही बदल गए थे। राजन का कमाया हुआ अधिकतर पैसा उसके मंहगे इलाज में लग गया था। राजन की मृत्यु के बारह दिन बाद उसके सभी रिश्तेदारों और घरवालों ने एक - एक कर नेहा से किनारा कर लिया था। इसके लिए नेहा ने किसी और को दोष भी नहीं दे सकती थी क्योंकि उसके दोनों भाइयों ने भी ऐसा ही किया था। ऐसे वक़्त पर एक बार फिर पूरी तरह टूट चुके बाबूजी ने उसकी हिम्मत बंधाई0। बाबूजी ने पैसों से मदद करने के अलावा बाद में अपने एक जानकार को कहकर उसके स्कूल में नेहा को सहायिका की नौकरी पर भी लगवाया। राजन का खुद का मकान होने के कारण नेहा को अपने बच्चों के साथ गुजारा करने के लिए स्कूल से मिलने वाला पैसा पर्याप्त था। बाबूजी भी उसके बिना मांगे कभी मदद कर दिया करते थे। दोनों भाइयों ने उसकी किसी तरह की भी मदद के बारे में कभी सोचा ही नहीं । उसकी तो बात छोड़ो वो बाबूजी से भी कभी उनकी किसी जरुरत के बारे में नहीं पूछते थे। आर्थिक रुप से सम्पन्न होते हुए भी उन्होंने इस शहर में , बाबूजी के रहने के लिए ही सही , मकान बनाने या खरीदने के बारे में नहीं सोचा। बाबूजी के दुनिया से जाने के बाद मकान तो उन्हे ही मिलना था।

वक़्त के साथ बढ़ती उम्र के कारण बाबूजी का स्वास्थ्य भी गिरता जा रहा था । वे फोन पर भी ढंग से बात नहीं कर पाते थे। जो कल तक दूसरों का सहारा बने रहे आज उन्हे खुद सहारे की जरुरत थी। नेहा ने बाबूजी को कई बार उसके साथ ही रहने के लिए कहा। लेकिन उन्होने उसे अपनी सामाजिक विवशता बताए बिना ही मना कर दिया । वह इस बात को समझ गई थी। उसने दोनों भाइयों को भी फोन पर बाबूजी की समस्या के बारे में विस्तार से कई बार बताया। इस समस्या का निदान इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि भाई न तो इस शहर आना चाहते थे और न ही बाबूजी को इस हालत में साथ में रखना चाहते थे। नेहा बाबूजी का दोनों समय का खाना बनाकर नियम से अपने छोटे बेटे के साथ भेज देती थी। दिन में तो वह एक बार जाकर बाबूजी को खाना खिलाकर और संभालकर आ जाती थी। रात को उसका छोटा बेटा बाबूजी का ध्यान रखने , समय पर खाना खिलाने और दवा आदि देने के लिए उनके पास ही रहता था। उनके मोहल्ले वाले भी नेहा के दोनों भाइयों के इस तरह के व्यवहार से सोच में पड़ जाते थे कि कोई भी व्यक्ति अपने पिता के साथ ऐसे कैसे कर सकता था। एक हो तो छोड़ो यहां तो उसके दोनों ही भाई समान मानसिकता वाले थे। उनकी पत्नियां और बच्चे भी न जाने बाबूजी के बारे में कैसी सोच रखते थे ? बाबूजी अपनी लड़खड़ाती हुई जुबान से उसे आशीर्वाद देते हुए कहते थे नेहा , बेटी होते हुए भी तू बेटे का फर्ज़ निभा रही है। जबकि भगवान ने मुझे दो बेटे दिए हैं । भगवान ने भी तेरी किस्मत में न जाने कितनी और कैसी परीक्षाएं लिखी हैं..... यह कहते हुए उनकी आंखें नम हो जाती थीं0। नेहा प्यार से उनका हाथ अपने सिर पर रख देती थी।

दो दिन पहले ही बाबूजी का स्वास्थ्य ज्यादा खराब होने पर उसने दोनों भाइयों को स्थिति से अवगत करा यहां बुला लिया था। अगले दिन जब तक वो यहां पहुंचते उससे पहले ही बाबूजी अपना नश्वर शरीर छोड़कर दुनिया से दूर कभी न लौटकर आने के लिए जा चुके थे। घर से बाबूजी की अंतिम यात्रा के समय बिलखती हुई नेहा की आंखों से बहते आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। वहीं बाबूजी के दोनों पुत्रों और पुत्र वधूओं की आंखें नम तक नहीं हुई थीं0। उनके बच्चे भी चेहरे पर बिना किसी भाव के वहां खड़े थे। ताउम्र अभावग्रस्त ज़िंदगी जीने वाले बाबूजी का नश्वर शरीर उनके पास खड़े महंगे कपड़े , घड़ी , स्वर्ण आभूषण पहने और चमचमाती विदेशी कारों में आए अपने ही पुत्रों और पौत्रों को देख नहीं पा रहा था। जिनको उन्होने खुद को भुलाकर इस क़ाबिल बनाया। दोपहर को बाबूजी का अंतिम संस्कार करने के बाद सभी घर आ गए थे। शाम को पंडित जी ने उसके भाइयों को बाबूजी की मृत्यु के तीसरे , दसवें और बारहवें दिन होने वाले धार्मिक कार्यों और पूजा आदि के बारे में बताया। इन दिनों में पूजा और अन्य काम में आने वाले सामान की लिस्ट देकर अगले दिन आने का कहकर पंडित जी चले गए0। सामान की लिस्ट देखकर दोनों भाई एक दूसरे से धीमी आवाज में बातें करने लगे।

कुछ देर बाद नेहा की ओर देखते हुए एक भाई ने कहा आजकल समय किसके पास है जो किसी की मृत्यु उपरांत ये सब पाठ पूजा पाठ करे। बाबूजी छोड़कर भी कुछ नहीं गए हैं0। इसलिए हम लोग तीन दिनों तक ही शोक रखेंगे । पंडित जी को कल हम कह देंगे कि जरुरी धार्मिक और सामाजिक कार्य तीन दिनों में ही पूरे करवा दें0। मृत्यु भोज में हम विश्वास नहीं रखते। हमारे लिए यह केवल पैसों की बर्बादी है। तीन दिन के बाद हम अपने - अपने शहर चले जाएंगे। हमारा यहां पर इसके बाद काम ही क्या है ? यहां पर अपने साथ रखने , बेचने या ले जाने लायक बाबूजी का कोई सामान है नहीं0। किराये के इस मकान को खाली करके सामान किसी गरीब को दे देंगे..... यह सुनते ही नेहा की आंखें नम हो गईं0। उसे समझ नहीं आ रहा था कि इस स्थिति में वह क्या बोले और क्या करे ? सामाजिक और संस्कारित माता - पिता के दोनों पुत्रों की यह कैसी मानसिकता थी ? वह उन्हे बिना कुछ कहे अपने घर लौट आई0। उसे अपने अपाहिज पुत्र को भी संभालना था। वह बाबूजी की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए धर्म और शास्त्रों के अनुसार बारह दिन तक होने वाला हर काम कराना चाहती थी। दोनों भाइयों ने बाबूजी के लिए उनके जीवनकाल में एक पैसा भी नहीं खर्चा था । उनकी मृत्यु के बाद भी कुछ खर्च करने के लिए दोनों तैयार नहीं थे।

अचानक ऑटो चालक की आवाज सुनकर वह वर्तमान में लौटी। उसने देखा कि वह बाबूजी के घर पहुंच गई थी। धीमी बारिश उस समय भी हो रही थी। उसने चालक को पैसे दिए और अपना थैला संभालते हुए घर के अंदर आ गई0। दोनों भाई सपत्नीक किसी बातचीत में मशगूल थे। उसे देखकर सभी चुप हो गए । उसने अपने भाइयों से बाबूजी की मृत्यु के बाद होने वाले सभी काम धर्म और शास्त्रों के अनुसार ही कराने का कहा। इससे पहले कि वो कुछ बोलते , उसने अपने थैले में से रुपये निकालकर उनके सामने रखते हुए कहा बाबूजी ने अपने गिरते स्वास्थ्य को देखते हुए बैंक में अपने बचे हुए सारे रुपये निकालकर मेरे यहां रख दिए थे। अपनी जरुरत के अनुसार वे मुझसे रुपये ले लिया करते थे। यह रुपये लगभग दो लाख रुपये हैं0। बारह दिनों तक सारा खर्च और दान बाबूजी के इन्ही रुपयों से किया जाएगा। यदि कुछ रुपये बच जाएं तो तुम दोनों भाई आपस में बराबर बांट लेना। भाइयों के कुछ बोलने से पहले ही पंडित जी भी वहां पहुंच गए0। नेहा ने अधिकारपूर्वक पंडित जी को सभी काम धर्म और शास्त्रों के अनुसार करने के लिए कहा। उसके भाई भी इसके लिए सहमत थे। यह कहकर कुछ देर बाद वह बाबूजी की छड़ी , चश्मा और चप्पल अपने भाइयों को दिखाते हुए थैले में डालकर अपने घर के लिए रवाना हो गई । बाहर बारिश थम चुकी थी। लेकिन उसकी आंखों से आंसुओं की बारिश थमने का नाम नहीं ले रही थी। बाबूजी ने जो रुपये नेहा को उसके अपाहिज पुत्र के इलाज के लिए दिए थे , वे रुपये उसने बाबूजी की मृत्यु के बाद बारह दिनों तक होने वाले सभी खर्चों , दान और भाइयों के लिए दे दिए थे। बाबूजी उसे कहा करते थे कि भगवान ने भी न जाने उसकी किस्मत में कितनी और कैसी परीक्षाएं लिखी थीं0। बाबूजी के आशीर्वाद से आज वह अपना फर्ज़ निभाते हुए एक और परीक्षा में पास हो गई थी।

सुधीर केवलिया

फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

अंतिम नींद

दूसरे के जागने-सोने, खाने-पीने, उठने-बैठने, हँसने-बोलने, यहाँ तक की चुप रहने में भी मीन-मेख निकालना, आदमी को एक तरह का विकृत सुख देता है।तुलनात्मक रूप से एक भयंकर प्रयोग बता रहा हूँ, विचार करना।

रात को बिस्तर पर हो, आँखों में नींद गहराने लगे तो कल्पना करना कि इस लोक की यह अंतिम नींद है। सुबह नींद नहीं खुलने वाली...यह विचार मत करना कि तुम्हारे कंधे क्या-क्या काम हैं0। तुम नहीं उठोगे तो जगत का क्रियाकलाप कैसे बाधित होगा। जगत के दृश्य-अदृश्य असंख्य सजीवों में से एक हो तुम। तुम्हारा होना, तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण हो सकता है पर जगत में तुम्हारी हैसियत दही में न दिखाई देनेवाले बैक्टीरिया से अधिक नहीं है। तुम नहीं उठोगे तो तुम्हारे सिवा किसी पर कोई दीर्घकालिक असर नहीं पड़ेगा।

तुम तो यह विचार करना कि क्या तुम्हारे होने से तुम्हारे सगे-सम्बंधी, तुम्हारे परिजन-कुटुंबीय, मित्र-परिचित, लेनदार-देनदार आनंदी और संतुष्ट हैं या नहीं0। बिस्तर पर आने तक के समय का मन-ही-मन हिसाब करना। अपने शब्दों से किसी का मन दुखाया क्या, आचरण में सम्यकता का पालन हुआ क्या, लोभवश दूसरे के अधिकार का अतिक्रमण हुआ क्या, अहंकारवश ऊँच-नीच का भाव पनपा क्या..?... आदि-आदि..। हाँ आत्मा के आगे मन और आचरण को अनावृत्त कर अपने प्रश्नों की सूची तुम स्वयं तैयार कर सकते हो।

प्रश्नों की सूची टास्क नहीं है। प्रश्न तुम्हारे, उत्तर भी तुम्हारे। असली टास्क तो निष्कर्ष है। अपने उत्तर अपने ढंग व अपनी सुविधा से प्राप्त कर क्या तुम मुदित भाव से शांत और गहरी नींद लेने के लिए प्रस्तुत हो? यदि हाँ तो यकीन मानना कि तुम इहलोक को पार कर गए हो। सच बताना उठकर बैठ गए हो या निद्रा माई के आँचल में बेखटके सो रहे हो? निष्कर्ष से अपनी स्थिति की मीमांसा स्वयं ही करना।

बोध कथा

खिचड़ी की कहानी

किसी गांव में एक बूढ़ी माई रहती थी। बूढ़ी माई माघ का व्रत करती थी, नियम से गंगा स्नान करती थी और व्रत रखकर श्रीकृष्ण का भजन करती थी। उसके व्रत खोलने के समय कृष्ण भगवान आते और उसके पास एक कटोरा खिचड़ी रखकर चले जाते थे। बुढ़िया के पड़ोस में एक औरत रहती थी। वह उससे जला करती थी। वह हर रोज यह देखती कि बूढ़ी के पास दिनभर तो खाने के लिए कुछ होता नहीं फिर ये व्रत करके रोज-रोज खिचड़ी कहां से खाती है।

एक बार माघ संक्रांति के दिन बूढ़ी माई गंगा स्नान के लिए गई0। उधर, कृष्ण भगवान उसका खिचड़ी का कटोरा लेकर आए और रख गए0। पड़ोसन ने बूढ़ी के आंगन में जब खिचड़ी का कटोरा रखा देखा और देखा कि बुढ़िया नही है तब उसने घर के पीछे के दरवाजे की सड़क किनारे खिचड़ी फेंक दी और कटोरा भी वहीं डाल दिया। स्नान के बाद बूढ़ी मां घर आई तो उसे खिचड़ी का कटोरा नहीं मिला और वह भूखी ही रह गई0।

बार-बार एक ही बात कहती कि कहां गई मेरी खिचड़ी और कहां गया मेरा खिचड़ी का कटोरा। दूसरी ओर पड़ोसन ने जहां खिचड़ी गिराई थी वहां एक पौधा उगा जिसमें दो फूल खिले। उस राज्य का राजा बड़ा दयालु था। उसके पास धन-वैभव सब कुछ था लेकिन एक भी संतान नहीं थी। जिससे राज्य में उत्तराधिकार की भी समस्या थी और राजा भी परेशान रहता था। एक बार राजा उस ओर से निकला तो उसकी नजर उन दोनो फूलों पर पड़ी और वह उन्हें तोड़कर घर ले आया। घर आने पर उसने वह फूल रानी को दिए जिन्हें सूंघने पर रानी गर्भवती हो गई0। कुछ समय बाद रानी ने दो पुत्रों को जन्म दिया।

वह दोनों जब बड़े हो गए तब वह किसी से भी बोलते नही थे, लेकिन जब वह दोनो शिकार पर जाते तब रास्ते में उन्हें वही बूढ़ी माई मिलती जो अभी भी यही कहती कि कहां गई मेरी खिचड़ी और कहां गया मेरा कटोरा ? बुढ़िया की बात सुनकर वह दोनों कहते कि हम हैं तेरी खिचड़ी और हम हैं तेरा कटोरा। हर बार जब भी वह शिकार पर जाते तो बुढ़िया यही बात कहती और वह दोनो वही उत्तर देते।

एक बार राजा के कानों में यह बात पड़ गई0। उसे आश्चर्य हुआ कि दोनो लड़के किसी से नहीं बोलते तब यह इस बूढ़ी से कैसे बात करते हैं0। राजा ने उस वृद्ध महिला को राजमहल बुलवाया और कहा कि हम से तो किसी से ये दोनों बोलते नहीं है, तुमसे यह कैसे बोलते हैं ? बुढ़िया ने कहा कि महाराज मुझे नहीं पता कि ये कैसे मुझसे बोल लेते हैं0।

मैं तो माघ का व्रत करती थी और कृष्ण भगवान मुझे खिचड़ी का कटोरा भरकर दे जाते थे। एक दिन मैं स्नान कर के वापिस आई तो मुझे वह खिचड़ी नहीं मिली। जब मैं कहने लगी कि कहां गई मेरी खिचड़ी और कहां गया मेरा कटोरा ? तब इन दोनों लड़कों ने कहा कि तुम्हारी पड़ोसन ने तुम्हारी खिचड़ी फेंक दी थी तो उसके दो फूल बन गए थे। वह फूल राजा तोड़कर ले गया और रानी ने सूंघा तो हम दो लड़को का जन्म हुआ0। हमें भगवान ने ही तुम्हारे लिए भेजा है।

सारी बात सुनकर राजा ने बूढ़ी मां को महल में ही रहने दे दिया। इस तरह बूढ़ी माई के दिन फिर गए और राजा को भी अपने लिए खिचड़ी के प्रसाद से दो पुत्र रत्न मिल गए0। राजा ने बड़े पैमाने पर खिचड़ी बनवाकर बूढ़ी माई के साथ मिलकर कृष्ण जी का भोग लगवाया और लोगों को भी प्रसाद बांटा। इस तरह संक्रांति के दिन खिचड़ी खाने और बांटने की परंपरा चल पड़ी।

वीर गाथा

कैप्टन राकेश: जान की बाज़ी लगाकर रोका फिदायीन हमला

कैप्टन राकेश का जन्म कर्नाटक के तुमकूरु जिले के थोरेहल्ली गांव में हुआ था। माता भाग्या डीएन और पिता टी राजकुमार के बेटे राकेश ने अपनी पढ़ाई बेंगलूरु से की थी। जब मुंबई पर 26/11 का हमला हुआ तो करोड़ों देशवासियों की तरह राकेश को भी गहरा दु:ख हुआ था। उन्होंने संकल्प लिया कि वे एक दिन सैनिक बनेंगे और आतंकवादियों को दंडित करेंगे।

इसके लगभग आठ साल बाद, सितंबर 2016 में राकेश भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने। उन्हें पैराशूट रेजिमेंट की 9वीं बटालियन में शामिल किया गया। इसके बाद उन्हें स्पेशल फोर्सेज में भेज दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल, 2022 को एक जनसभा को संबोधित करने के लिए जम्मू जाने वाले थे। इस बीच खुफिया एजेंसियों को सूचना मिली थी कि आतंकवादी संगठन फिदायीन हमले की कोशिश कर सकते हैं0। इसे ध्यान में रखते हुए कैप्टन राकेश को जिम्मेदारी दी गई कि इलाके में किसी भी आतंकी घटना पर तुरंत प्रतिक्रिया दें0।

राकेश को सुरक्षा बलों के काफिले पर आतंकवादियों के हमले का इनपुट मिला था। वह घनी आबादी वाला इलाका था। कैप्टन राकेश ने वहां पहुंचकर क्राड कॉप्टर इस्तेमाल कर रहे आतंकवादियों को देखा। उन्होंने अपने जवानों को आदेश दिया कि वे आतंकवादियों को चारों ओर से घेर लें0।

जब आतंकवादियों ने देखा कि वे घिर गए हैं तो उन्होंने आम लोगों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उस समय कैप्टन राकेश ने एक आतंकवादी पर गोलीबारी कर उसे घायल कर दिया। इसके बाद बड़ा जोखिम लेते हुए उसकी ओर बढ़े तथा सटीक गोलीबारी कर उसे मार गिराया। कैप्टन राकेश ने त्वरित निर्णय, अदम्य साहस और मजबूत इरादों के साथ अपना कर्तव्य निभाते हुए न सिर्फ खूंखार आतंकवादी का खात्मा किया, बल्कि फिदायीन हमले को भी रोक दिया। इसके लिए उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रस्तुति

पटना में शनिवार को पटना विमेंस कॉलेज में ओजसनी प्रोग्राम के दौरान 'नृत्य गुण सम्मान' सेरेमनी प्रस्तुति देते छात्र।

बालेंद्र शाह की पार्टी नेपाल में भारी जीत की ओर अग्रसर

काठमांडू/भाषा

रैपर से राजनीतिक नेता बने बालेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) नेपाल में 'जेन जेड' के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए पहले आम चुनाव में शनिवार को भारी जीत की ओर अग्रसर है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, रवि लामिछाने द्वारा 2022 में गठित आरएसपी ने अब तक घोषित 50 सीटों के परिणाम में से 39 सीट जीत ली हैं जिनमें काठमांडू जिले के 10 निर्वाचन क्षेत्रों में इसकी प्रचंड जीत शामिल है, तथा अन्य 80 सीट पर आगे है। पार्टी ने बलेंद्र शाह को प्रधानमंत्री पद का अपना उम्मीदवार घोषित किया था और मधेश के धनुषा जिले के जनकपुर से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की थी। वह संबंधित प्रांत में सूपड़ा-साफ करती दिख रही है। 'बालेन' के नाम से मशहूर बालेंद्र शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को ''मधेश का बेटा'' बताया था और पार्टी ने ''अबकी बार बालेंद्र सरकार'' का नारा दिया था। मधेश प्रांत के आठ जिलों की कुल 32 सीटों में से, आरएसपी ने सात सीट जीत ली हैं और 23 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में आगे है। चुनाव के परिणामों और रुझानों के अनुसार, पार्टी काठमांडू घाटी में भी सूपड़ा साफ कर रही है। इसने काठमांडू जिले की सभी 10 सीट, भक्तपुर की दो सीट और ललितपुर जिले की एक सीट जीत ली है। काठमांडू घाटी की कुल 15 सीटों में से, पार्टी शेष दो सीट पर भी भारी अंतर से आगे है।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन पार्टी ने बालेन के नेतृत्व में काठमांडू घाटी के सभी 15 निर्वाचन क्षेत्रों में रोड शो किया था। नेपाली कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की है और 12 अन्य सीट पर आगे है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने दो सीट जीती हैं और छह अन्य सीट पर आगे है।

अपदस्थ प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने दो सीट जीती हैं और आठ सीटों पर आगे है।

वहीं, श्रम संस्कृति पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी चार-चार सीटों पर आगे हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती। 165 में से 162 निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना जारी है। आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने ने चितवन-2 निर्वाचन क्षेत्र से भारी अंतर से जीत हासिल की, जो उनकी लगातार तीसरी जीत है। पूर्व गृह मंत्री को 54,402 वोट मिले, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी नेपाली कांग्रेस की मीना कुमारी खरेल को 14,564 वोट मिले।

हाल ही तक काठमांडू के महापौर रहे बालेंद्र शाह ने झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में चार बार के प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष के पी शर्मा के गढ़ में 52,069 वोट हासिल किए हैं। ओली को अब तक केवल 14,031 वोट मिले हैं।

पैंतीस वर्षीय इंजीनियर के नेपाल के अगला प्रधानमंत्री बनने की उम्मीद है, जो स्थापित दलों के प्रति जनता की अस्वीकृति के भाव को दर्शाता है। नेपाल में पिछले 18 वर्षों में 14 सरकार बन चुकी हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने रुकुम पुरबा जिले से जीत हासिल की।

नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ने 10,240 वोट हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सीपीएन (यूएमएल) के लीलामणि गौतम को 3,462 वोट मिले।

'धुरंधर द रिवेंज' का ट्रेलर रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

इंतज़ार आखिरकार खत्म हो गया है। फिल्म धुरंधर: द रिवेंज का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। ट्रेलर में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर माधवन और सारा अर्जुन जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं0। ट्रेलर में रणवीर सिंह के किरदार जस्किरत सिंह रंगी/हमजा मज़ारी और अर्जुन रामपाल के खतरनाक किरदार आईएसआई मेजर इकबाल के बीच बड़ी टक्कर की झलक दिखाई देती है। इस बार दांव पहले से ज्यादा बड़ा है और एक्शन भी पहले से ज्यादा दमदार नजर आ रहा है। अर्जुन रामपाल अपने ठंडे हावभाव, डरावनी मुस्कान, गोल्डन दांत और घनी दाढ़ी के साथ फिर से मेजर इकबाल के रूप में खौफ पैदा करते दिख रहे हैं0। उनके डायलॉग और स्क्रीन प्रेज़ेंस कहानी में लगातार तनाव बनाए रखते हैं0।पहली फिल्म के बाद अब धुरंधर: द रिवेंज में मेजर इकबाल का किरदार और भी गहराई से सामने आएगा, जिसे देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं0। जियो स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत और बी62 स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज़ होगी। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ कुल पांच भाषाओं में रिलीज़ की जाएगी।

गुड़ी पड़वा और उगादी के मौके पर और ईद से पहले रिलीज़ हो रही यह हाई-ऑक्टेन स्पाई-एक्शन थ्रिलर आदित्य धर द्वारा लिखी, निर्देशित और प्रोड्यूस की गई है। फिल्म को ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने प्रोड्यूस किया है। कई महीनों की चर्चाओं और दर्शकों की बढ़ती उत्सुकता के बाद अब 19 मार्च 2026 की रिलीज़ का काउंटडाउन शुरू हो चुका है।

पूजा

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शनिवार को पश्चिम बंगाल के हुगली में महेश जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए0।

तालिबान महिलाओं के खिलाफ युद्ध छेड़ता है, लेकिन उनकी आवाज बुलंद है

सिडनी। अफगान महिला लेखिकाओं में एक गहरी विद्रोही और भड़काऊ भावना दिखाई देती है। जब अगस्त 2021 में तालिबान ने काबुल पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया, तो सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करती महिलाओं और स्कूल की कक्षाओं में जाने से रोकी जा रही लड़कियों की तस्वीरें दुनिया भर में प्रसारित हुईं।

अफगानिस्तान में तब से महिलाओं के सार्वजनिक जीवन को व्यवस्थित रूप से दबाने के तहत कई प्रतिगामी कानून लागू किए गए हैं, जिनमें महिलाओं के सार्वजनिक रूप से बोलने पर प्रतिबंध लगाना भी शामिल है। हाल में तालिबान के शिक्षा अधिकारियों ने महिलाओं द्वारा लिखी गई 140 पुस्तकों को शरिया विरोधी बताकर काली सूची में डाल दिया।

इस संस्थागत उपेक्षा के बीच, लेखन प्रतिरोध का एक माध्यम बन जाता है। हालिया अफगान महिला साहित्य इस उपेक्षा को चुनौती देता है। यह स्वायत्तता को पुनः प्राप्त करने का एक तरीका है।

जिंदगी से जिंदगी ही है निजात, बिग बी ने बयां किया रात के सन्नाटे का सुकुन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अमिताभ बच्चन अक्सर अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की लिखी कविताओं को अपने भाव के साथ शब्दों के जरिए ब्लॉग में उतारते रहते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने बाबूजी से प्रेरित अपने मन के भाव ब्लॉग में उतारे हैं0। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने रात के सन्नाटे की सुंदरता को खूबसूरती से बयां किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग में मुंबई की रात की खास शांति पर दिलचस्प बात लिखी है। उन्होंने ब्लॉग में लिखा कि मुंबई जैसे व्यस्त शहर में भी रात के समय एक अजीब-सी शांति छा जाती है। दिनभर की भागदौड़ के बाद रात में सड़कें खाली हो जाती हैं और चारों तरफ गहरा सन्नाटा सा छा जाता है। उन्होंने लिखा, मुंबई की यह शांति कई लोगों को डरावनी लगती है लेकिन मेरे लिए इसमें एक अलग तरह की हैरानी और खूबसूरती छिपी हुई है। उन्होंने देर रात का किस्सा साझा करते हुए लिखा, अभी मैं यह सब लिख ही रहा था कि एक गाड़ी सड़क के गड्ढे से टकराई और वह सन्नाटा टूट गया। रात 1 बजे अक्सर किसी तेज बाइक के एग्जॉस्ट की आवाज सुनाई देती है। शायद कोई व्यक्ति देर रात काम से लौट रहा हो या नई शिफ्ट के लिए जा रहा हो। ये छोटी-छोटी आवाजें रात की खामोशी को और गहरा बनाती हैं0।

अमिताभ ने आगे आसमान के रंग की खूबसूरती को अपने शब्दों में बयां किया। उन्होंने लिखा, इन दिनों मुंबई का आसमान पहले से ज्यादा नीला और साफ दिख रहा है। कई दिनों से ऐसा ही चल रहा है। निर्माण कार्यों के दौरान पानी का छिड़काव किया जाता है, जिससे धूल जमीन पर बैठ जाती है और हवा स्वच्छ हो जाती है। बरसात के दिनों में भी प्रदूषण कम हो जाता है क्योंकि बारिश धूल-मिट्टी को धोकर साफ कर देती है। साथ ही, मुंबई समुद्र के किनारे बसा होने से समुद्री हवाएं वातावरण को तरोताजा रखती हैं0। उन्होंने कहा कि प्रकृति सबसे बेहतरीन दवा है। आखिरकार दवाइयां और रसायन भी तो हमें प्रकृति से ही मिले हैं0। जीवन में सब कुछ चलता रहता है। कभी लेना-देना, व्यवस्था, अव्यवस्था, कभी शोर और कभी सन्नाटा। उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, जिंदगी से जिंदगी ही है निजात0।

विवाद के बाद यूट्यूब से हटाया गया सिंगर बादशाह का विवादित सॉन्ग 'टटिहरी', गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही पुलिस

मुंबई/एजेन्सी

'टटिहरी' सॉन्ग को लेकर पंजाबी सिंगर बादशाह बुरे फंस चुके हैं0। गाने में लड़कियों के लिए विवादित शब्दों के इस्तेमाल के बाद हरियाणा महिला आयोग पहले ही समन जारी कर चुकी है, लेकिन अब सिंगर के गाने को यूट्यूब से हटा दिया गया है। इस गाने के चलते हरियाणा में पहले दो जगह, पंचकूला और जींद में एफआईआर हो चुकी हैं0। इतना ही नहीं, सिंगर के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। हरियाणा पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, गायक बादशाह के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आरोपी गायक को पुलिस के समक्ष तत्काल पेश होने के लिए भी नोटिस जारी किया गया है। जानकारी में साफ किया गया कि पंचकूला पुलिस ने यूट्यूब से विवादित सॉन्ग 'टटिहरी' को हटवा दिया है। सोशल मीडिया और गीतों में आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार के खिलाफ हरियाणा पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए गायक आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया उर्फ बादशाह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अन्य म्यूजिक प्लेटफॉर्म, यूट्यूब चैनलों तथा व्यक्तिगत सोशल मीडिया हैंडल्स से भी इस गाने से संबंधित रील्स व शॉर्ट वीडियो को हटवाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं0।

पंचकूला पुलिस ने उनके हाल ही में जारी गाने को लेकर एफआईआर दर्ज करते हुए उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि आरोपी देश छोड़कर बाहर न जा सके। पुलिस ने पहले भी गाने के मेकर्स ने खुद वीडियो हटवाने के लिए कहा था। बादशाह के खिलाफ दर्ज मामले में धारा 296 भारतीय न्याय संहिता और इंडीसेंट रिप्रेजेंटेशन ऑफ वीमेन (प्रोहिबिशन) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार वीडियो में स्कूल यूनिफॉर्म पहने नाबालिग बच्चियों को स्कूल बैग फेंकते हुए और पढ़ाई से दूर भागते हुए दिखाया गया है। साथ ही बादशाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर स्कूल और शिक्षा के माहौल को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। इसके अतिरिक्त गीत में महिलाओं और लड़कियों के प्रति अपमानजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया गया है। बता दें कि पंचकूला पुलिस ने बादशाह की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की हैं, जो विभिन्न संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दे रही

अब मैं खुद से पूछती हूं कि मैं सच में कहां की हूं : सेलिना जेटली

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सेलिना जेटली ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने जीवन के उतार-चढ़ाव, विदेश प्रवास और अपनी पहचान के संघर्ष पर दिल की बात कही। उन्होंने भारत वापसी की जानकारी देते हुए अपने मन के खालीफन और उदासी को व्यक्त किया। सेलिना ने लिखा कि जब कोई व्यक्ति विदेश में उतना लंबा समय व्यतीत कर लेता है, जितना उसने अपने बचपन में माता-पिता के साथ बिताया हो, तो वह अपनी जड़ों और पहचान को लेकर असमंजस में पड़ जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रिया (आल्प्स) के प्राकृतिक सौंदर्य की तुलना अपने बचपन की यादों, यानी कुमाऊं के पहाड़ों और जंगलों से की। हालांकि, अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि वर्षों विदेश में रहने के बावजूद वहां उन्हें मात्र 'पीटर की भारतीय पत्नी' के रूप में ही पहचाना गया। उन्होंने लिखा, पीटर हाग से मेरी शादी के बाद ऑस्ट्रेलिया और फिर ऑस्ट्रिया में बसीं, लेकिन समय के साथ घर जैसा एहसास कम होता गया। अभिनेत्री ने अपनी मां की बात को याद करते हुए लिखा, आप एक ही इंसान को दो बार नहीं पा सकते, यहां तक कि उसी इंसान को भी नहीं0। मां के साथ बिताया समय मेरा सबसे प्रिय समय था। अब जब मां-पिता और परिवार के सदस्य नहीं रहे, तो पुराना घर और एहसास वापस नहीं आता। कभी-कभी लोग ठीक होना भी नहीं चाहते, क्योंकि दर्द ही खोई हुई चीज से आखिरी रिश्ता बन जाता है।

पवन कल्याण अभिनीत फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' 19 को रिलीज होगी

नई दिल्ली/भाषा। पवन कल्याण अभिनीत फिल्म ''उस्ताद भगत सिंह'' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने इसके रिलीज की नई तिथि की घोषणा की है। हरीश शंकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स ने किया है और पहले यह 26 मार्च को रिलीज होनी थी। प्रोडक्शन बैनर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से इसकी घोषणा की। उसने लिखा, ''हमारी 'उस्ताद' अब निर्धारित समय से एक सप्ताह पहले रिलीज हो रही है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धूम मचेगी। ''उस्ताद भगत सिंह'' 19 मार्च को विश्व स्तर पर भव्य रिलीज होगी।'' इस फिल्म में कल्याण के साथ राशि खन्ना और श्रीलीला भी हैं तथा यह भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी और उसकी बेटी की कहानी है, जो दुश्मनों द्वारा उनके परिवार की हत्या किए जाने के बाद अपनी मौत का नाटक करते हैं। इस फिल्म के रिलीज के दौरान ही आदित्य धर की 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में आएगी।

पूजा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को केरल के कोल्लम जिले में शिवगिरी मठ के दौरे के दौरान पूजा-अर्चना करते हुए0।

कृति सेनन की आलोचना वाली रील पर 'लाइक' को लेकर यामी ने दी सफाई; कहा, ऐसा अनजाने में हुआ

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री यामी गौतम धर ने कहा कि उन्होंने कभी भी सस्ते प्रचार हथकंडों का सहारा नहीं लिया है।

यामी की यह सफाई अभिनेत्री कृति सेनन से जुड़ी एक पोस्ट जिसमें फिल्म 'तेरे इश्क में' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार दिए जाने को लेकर सवाल उठाए गए थे, को 'लाइक' किए जाने पर हुई आलोचनाओं के बाद आई है।

यामी (37) ने शुक्रवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर कहा कि एक अभिनेत्री के रूप में उन्हें रोजाना कई पोस्ट में 'टैग' किया जाता है और कभी-कभी ये क्लिक अनजाने में हो जाते हैं। उन्होंने लिखा, मुझे पता चला है कि मैंने कथित रूप से एक 'रील' को 'लाइक' किया जो किसी अन्य अभिनेत्री के प्रति अपमानजनक थी। हमें हर दिन कई पोस्ट में टैग किया जाता है, और यह (पोस्ट भी) किसी पुरस्कार समारोह के संदर्भ में किसी अन्य टैग की तरह ही सामने आई। ...निश्चित रूप से जानबूझकर नहीं किया गया; अगर कुछ हुआ है तो यह गलती से क्लिक हो गया

होगा। मैंने अपने जीवन में कभी भी सस्ते पीआर हथकंडों का सहारा नहीं लिया। मैंने हमेशा अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया और आगे बढ़ी। अभिनेत्री ने कहा क्लिकबेट की दुनिया में, प्रतिष्ठित सोशल मीडिया पोर्टल के लिए भी इस मुद्दे को उछालकर चर्चा में बदलना लुभावना हो सकता है, लेकिन मैं उम्मीद करती हूं कि वे यह ध्यान में रखें कि मैंने इससे बेहतर प्रतिष्ठा अर्जित की है। मेरी कोई पीआर टीम नहीं है, मैंने बहुत पहले ही मनोरंजन पुरस्कार समारोहों पर अपना रुख सम्मानपूर्वक स्पष्ट कर दिया था।

अभिनेत्री के इंस्टाग्राम प्रोफाइल से एक पोस्ट पर 'लाइक' दर्ज देखा गया। पोस्ट में जी सिने अवाड0र्स 2026 में कृति को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने का जश्न मनाते हुए दिखाया गया था। इस घटना के बाद अभिनेत्री का यह बयान सामने आया।

इस वीडियो को यामी के एक पुराने साक्षात्कार के एक क्लिप के साथ जोड़ा गया था, जहां उन्हें यह कहते हुए सुना गया कि उन्होंने फिल्म उद्योग से प्रशंसा पाने की

देवनहल्ली-विजयपुरा में सीरवी समाज के नवीन भूखंड की पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सीरवी समाज ट्रस्ट देवनहल्ली-विजयपुरा में समाज के धर्मगुरु दीवान माधवसिंह राठौड़ के कर कमलों द्वारा समाज के नवीन भूखंड पर विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन संपन्न हुआ0। इस पावन अवसर पर दीवान साहब ने समाज की सुख-समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की कामना करते हुए सभी समाज बंधुओं को शुभकामनाएं दी। भूमि पूजन से पूर्व धर्मगुरु दीवान माधवसिंहजी का गैर मंडल के सदस्यों द्वारा चंग की थाप पर पारंपरिक गैर नृत्य करते हुए भव्य स्वागत किया गया। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर कार्यक्रम को धार्मिक एवं सांस्कृतिक माहौल से सराबोर कर दिया। ट्रस्ट की ओर से दीवान माधवसिंहजी का सम्मान माला और साफा पहनाकर किया गया। इस अवसर पर सीरवी महासभा कर्नाटक के पदाधिकारी, क्षत्रिय बडेर चिकबल्लापुर, होसकोटे, येलहंका, दोड्डबल्लापुर, मालवल्ली, जिगणी सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए समाज बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सीरवी समाज ट्रस्ट देवनहल्ली विजयपुरा के अध्यक्ष प्रकाश परिहारिया, सचिव लक्ष्मण राम चोयल तथा ट्रस्ट के सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

चिकबल्लापुर के जैन मिशन हॉस्पिटल में महिलाओं के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकबल्लापुर0। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यानी रविवार को महिलाओं के सम्मान में चिकबल्लापुर स्थित जैन मिशन हॉस्पिटल ने महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का निशुल्क आयोजन अस्पताल में किया है। 'हेल्दी विमेन, हेल्दी फ्यूचर' थीम के तहत 3 हजार रुपए मूल्य की कीमत वाला 'कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ स्क्रीनिंग पैकेज' बिल्कुल मुफ्त किया जा रहा है । ट्रस्ट द्वारा प्रायोजकों की मदद से आयोजित इस पहल का मकसद इस इलाके की महिलाओं के बीच सुरक्षित स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा देना है। शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश मेहता करेंगे।

इस पैकेज में 42 ज़रूरी हेल्थ पैरामीटर शामिल किए गए है। यह निशुल्क पैकेज की सुविधा केवल पहले 100 रजिस्टर महिलाओं के लिए होगा। महिलाओं को फोन नम्बर 6364415569 पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा ।

रोडवेज बस और कार की टक्कर में 'वेब डेवलपर' की मौत

कारवार। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस और एक कार की आमने-सामने की टक्कर में कार सवार एक वेब डेवलपर एवं मैक्स इन्फोटेक के संस्थापक मुकेश कृष्ण शेट्टी (39) की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार को उस समय घटी जब उडुपी जिले के कुंडापुर के निकट नेमपुर निवासी शेट्टी कुंडापुर से हुबली जा रहे थे और येलापुर तालुक में मलालगांव के निकट उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस के मुताबिक, सिरसी डिपो की रोडवेज की बस सिद्दापुर से बेलगावी जा रही और सामने से आ रही कार से वह भिड़ गई। शेट्टी को येलापुर में सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि शेट्टी ने दुर्घटना के समय सीट बेल्ट बांध रखी थी जिससे दुर्घटना के समय एयरबैग खुल गया। हालांकि बाद में एयर बैग को फटा हुआ पाया गया जिससे संदेह होता है कि झटके से वह फट गया होगा। उन्होंने बताया कि शेट्टी ने बेंडोरवेल में मैक इन्फोटेक की स्थापना की थी और एक वरिष्ठ वेब डेवलपर के तौर पर उन्होंने कर्नाटक के कई समाचार प्लेटफॉर्मों के लिए काम किया था।

आरआर नगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरी नगर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को बहुत ही रोचक रूप से मनाया। महिला मंडल अध्यक्ष मंजू बोथरा ने नमस्कार महामंत्र के साथ सभी का स्वागत किया। मंडल की सदस्याओं द्वारा प्रेरणा गीत तथा परमेष्ठी पंचक की सुंदर प्रस्तुति की गई0। कार्यक्रम का मुख्य ध्येय गृह लक्ष्मी स्वाभिमान अभियान था। मुख्य अतिथि के रूप में एफआईसीसीआई-एफएलओ की चेयरपर्सन डेकी यांग्त्सो चावला और एडवोकेट प्रेषिता प्रियदर्शनी जैन (एडवोकेट) को आमंत्रित किया गया। श्रीमती चावला ने अपने वक्तव्य में कहा कि पुरुष और नारी को एक ही तराजू में तोलना चाहिए0। भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में सेवा दे रही कुल तेरह एनजीओ - नारायणी की रसोई, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, इनरव्हील, जीतो लेडीज, बेलाकु फाउंडेशन, स्त्री केंद्र, फ्रेंड0स आफ ट्राइबल सोसाइटी, ऊर्जा क्लब, नव चेतना ट्रस्ट, रोटरी क्लब का बेंगलूरु जंक्शन, अहेड, माइंडफुल न्यूट्रिशन में सारिका गिड़िया और क्लिप के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया।

रुचिका पटावरी एवं वीना कोठारी ने बहुत ही व्यवस्थित तरीके से सभी एनजीओ के पदाधिकारियों के साथ पैनल चर्चा के माध्यम से परिवार, समाज एवं विभिन्न संस्थाओं में नारी के अस्तित्व एवं स्वाभिमान की रक्षा पर उनके विचारों से सभी को अवगत कराया गया। नारी की असली शक्ति खुद उसके अंदर है इस पर विशेष जोर दिया गया। प्रेक्षा ध्यान के द्वारा नारी के मानसिक विकास की बात कही गई0।

प्रेरणा सम्मान के रूप में तारा देवी कोचर का सम्मान किया गया। संयोजिका रुचिका पटावरी और नेहा बैद ने संचालन किया। कार्यक्रम के प्रायोजक पुसराज मनोज दूगड़ परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आशा लोढा ने सभी का आभार ज्ञापन किया।

सांस्कृतिक उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नित्य नृत्य डांस स्कूल द्वारा हंपीनगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में 'सांस्कृतिक उत्सव-2026' का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने गानों पर एकल एवं समूह नृत्यों प्रस्तुति दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने बाल प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया। नृत्य शिक्षक नीतेश ने मुणोत को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के इस्तीफे की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई हालिया वृद्धि को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग की और आरोप लगाया कि यह वृद्धि केंद्र सरकार के त्रुटिपूर्ण विदेश नीति निर्णयों का परिणाम है। सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह वृद्धि ऐसे समय में परिवारों के बजट पर और अधिक दबाव डालेगी जब लोग पहले से ही बढ़ती कीमतों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालिया वृद्धि पूरे भारत में लाखों परिवारों के लिए बेहद चिंताजनक है। ऐसे समय में जब परिवार पहले से ही लगातार बढ़ती महंगाई से जूझ रहे हैं, आम नागरिकों की रसोई पर एक और बोझ डाला जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मूल्य वृद्धि भारत की विदेश नीति के दृष्टिकोण का परिणाम है और उन्होंने प्रधानमंत्री की आलोचना करते हुए इसे रणनीतिक स्वायत्तता के लिए क्षति बताया। उन्होंने कहा, यह संकट आकस्मिक नहीं है। यह उस विदेश नीति का परिणाम है जो समर्पण को रणनीति समझती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के साथ अंधाधुंध गठबंधन करके और रूस और ईरान जैसे देशों के साथ भारत की दीर्घकालिक

ऊर्जा साझेदारी को बाधित करके बार-बार भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का त्याग किया है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कथन का हवाला देते हुए सिद्दरामय्या ने लिखा, विदेश नीति आर्थिक नीति का परिणाम है।

उन्होंने पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक का भी उल्लेख किया और दावा किया कि इसमें भारत की विदेश नीति संबंधी निर्णयों में संस्थागत परामर्श और रणनीतिक गहराई की कमी पर चिंता व्यक्त की गई है। सिद्दरामय्या ने कहा कि प्रधानमंत्री को ऐसे निर्णयों के आर्थिक परिणामों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को यह स्पष्ट करना होगा कि उनकी कूटनीतिक गलतियों का खामियाजा भारत की जनता को क्यों भुगतना पड़ रहा है। उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए और उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

साइबर धोखाधड़ी के प्रयास में फर्जी एटीएस अधिकारियों ने माकपा विधायक शांताकुमारी को बनाया निशाना

पलक्कड/भाषा। केरल में कोंगड से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की विधायक के. शांताकुमारी ने शनिवार को कहा कि उन्हें एक साइबर धोखाधड़ी गिरोह ने निशाना बनाया, जिसने उनसे संपर्क कर दावा किया कि पहलगाम बम विस्फोट मामले में एक आरोपी ने उनके नाम पर एक सिम और एक बैंक खाते का इस्तेमाल किया था। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह उन्हें सबसे पहले किसी ऐसे व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस) का सदस्य बताया और उन्हें बताया कि उनके नाम के सिम कार्ड का इस्तेमाल पहलगाम बम विस्फोट के आरोपियों में से एक ने किया था। शांताकुमारी ने यहां पत्रकारों को बताया, उस व्यक्ति ने कहा कि मार्च 2025 में मेरे खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया है। मैंने उसे बताया कि मैं केरल में सत्तारूढ़ पार्टी की विधायक हूं, जिसके बाद उसने कहा कि तिरुवनंतपुरम साइबर प्रकोष्ठ से कोई मुझे फोन करेगा।'' इसके बाद तिरुवनंतपुरम स्थित साइबर प्रकोष्ठ मुख्यालय में एक अधिकारी होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने उन्हें फोन किया और उनसे उत्तर भारतीय मलयालम'' में बात की और पूछा कि क्या वह अतीत में मुंबई या कश्मीर गई थी।

विधायक ने बताया कि उनसे कुछ मिनट बात करने के बाद उसने उन्हें एक और नंबर पर कॉल करने के लिए कहा, जो एक अन्य कथित एटीएस अधिकारी का नंबर निकला। माकपा नेता ने कहा कि एटीएस अधिकारी ने उनसे अंग्रेजी में बात की और उन्हें बताया कि सामान्य परिस्थितियों में उन्हें अपना बयान दर्ज कराने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। उन्होंने बताया, इसके बाद उसने मुझसे कहा कि उसका नंबर व्हाट0सऐप पर सहेज (सेव कर) लूं और थोड़ी देर बाद मुझे उसकी वीडियो कॉल आ गई। उस समय तक मैंने अपने परिवार को नहीं बताया था कि क्या हो रहा है, क्योंकि मैं यह जानने के लिए उत्सुक थी कि आखिर मामला क्या है और क्या इससे मेरी पार्टी पर कोई असर पड़ेगा।'' उन्होंने कहा, मैंने अपने घर पर बनाए कार्यालय कक्ष में वह वीडियो कॉल उठाई। उन्होंने कहा कि मेरा बयान रिकॉर्ड किया जाएगा और मुझसे आधार नंबर भी मांगा गया।'' उन्होंने बताया कि जब वह वीडियो कॉल पर थीं, तभी उनके पति और बेटा वहां आ गए। उन्हें देखकर कथित एटीएस अधिकारी ने उनसे भी वहीं बैठने के लिए कहा।

महिला विधायक ने कहा, मेरे बेटे ने कहा कि वह अधिकारी की एआई से बनी हुई तस्वीर जैसा लग रहा है। उसने गुस्से में उस व्यक्ति से पूछा कि वह कौन है और अपनी पहचान दिखाने को कहा।

आशीर्वाद यात्रा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा शनिवार को असम के गोलाघाट में जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए0।

बांग्लादेश ने इस्लामी कट्टरपंथी के खिलाफ मतदान किया; तारिक रहमान से उम्मीदें हैं : तस्लीमा नसरीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने कहा कि हाल के चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को मिली भारी जीत पार्टी की लोकप्रियता से कहीं अधिक इस्लामी कट्टरपंथियों को सत्ता से दूर रखने के लिए जनता के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जमात-ए-इस्लामी जैसे पाकिस्तान समर्थित कट्टरपंथियों का प्रमुख विपक्षी दल होना भी लोकतांत्रिक और प्रगतिशील मूल्यों के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

नसरीन ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, आप जमात की रैलियों में भारी भीड़ देखते हैं। लेकिन इसका असर वोटों पर नहीं पड़ा है। बीएनपी के शानदार नतीजे बांग्लादेशी जनता के उस दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं कि वे जमात जैसे पाकिस्तान समर्थित कट्टरपंथियों को सत्ता में नहीं आने देंगे। इसके अलावा, अवामी लीग की अनुपस्थिति ने कई मतदाताओं के लिए बीएनपी को एकमात्र व्यवहार्य विकल्प बना दिया।

तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी ने फरवरी 2026 में निर्णायक जनादेश प्राप्त किया, जिसमें उसने 298 सीट में से 209 सीट जीतीं। उसके सहयोगियों ने तीन और सीट हासिल कीं, जिससे गठबंधन को 299 सदस्यीय जातीय संसद (बांग्लादेश संसद) में स्पष्ट बहुमत मिल गया।जमात और उसके सहयोगी केवल 77 सीट ही हासिल कर सके और विपक्षी गुट बना।

लज्जा की लेखिका ने उम्मीद जताई कि नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में देश की राजनीतिक और कानून व्यवस्था की स्थिति में बेहतर बदलाव आएगा।

नसरीन ने कहा, वह सबको साथ लेकर चलने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कर रहे हैं। उम्मीद है कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के दौरान हिंदुओं को निशाना बनाने का जो सिलसिला चल रहा था, वह अब बंद हो जाएगा

वर्तमान में नई दिल्ली में रह रहीं 63 वर्षीय लेखिका ने कोलकाता जाने की अनुमति न मिलने पर खेद व्यक्त किया। वह पश्चिम बंगाल में एक लेखिका के रूप में काफी लोकप्रिय हैं।

ऑल-इंडिया माइनॉरिटी फोरम के सदस्यों द्वारा उनकी पुस्तक द्विखंडितो के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद, उन्हें 2008 में शहर छोड़ने और स्वीडन जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, यह वामपंथी शासन के दौरान की बात है। लेकिन ममता बनर्जी ने भी मुझे कोलकाता लौटने की अनुमति नहीं दी है। बंगाली संस्कृति में इतनी गहराई से रचे-बसे व्यक्ति के लिए बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल से दूर रहना कष्टदायक है।

बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यक और भारत के मुसलमानों की स्थितियों के बीच तीखा अंतर बताते हुए, नसरीन ने कहा कि भारतीय मुसलमानों को एक हिंदू के समान सभी लाभों तक समान पहुंच प्राप्त है और आवश्यकता पड़ने पर वे कानूनी सहारा ले सकते हैं।

नसरीन ने कहा, भारत में मुस्लिम आबादी घट नहीं रही है, और इस समुदाय का कोई भी व्यक्ति बेहतर जीवन के लिए किसी मुस्लिम देश में पलायन करने के बारे में नहीं सोचता... लेकिन क्या आप बांग्लादेश में हिंदुओं के बारे में भी यही कह सकते हैं? प्रवासन और अन्य कारणों से वर्षों से इनकी संख्या में गिरावट आई है। अक्सर, अन्याय होने पर वे उत्पीड़न के डर से अदालतों का रुख नहीं करते हैं।

ईरान की स्थिति के बारे में बात करते हुए, नसरीन ने कहा कि वह उस मुल्ला-तंत्र की प्रशंसक नहीं हैं, जो महिलाओं के लिए समान अधिकारों से इनकार करता है और हिजाब को लागू करता है। हालांकि, वह अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए सैन्य हस्तक्षेप का समर्थन नहीं करती हैं, जो शासन को कमजोर करने के अलावा, सैकड़ों नागरिकों की मौत का कारण भी बना है। उन्होंने 28 फरवरी को ईरान के मीनाब शहर के एक स्कूल पर हुए हवाई हमले का जिक्र करते हुए कहा, किसी स्कूल पर बमबारी करके 150 से अधिक छात्राओं को मारना किस आधार पर उचित है? यदि आपकी प्रौद्योगिकी या खुफिया जानकारी इतनी गलत है, तो बेहतर है कि आप इससे दूर रहें।

इस्लाम और कुरान के बारे में अपने विचारों के कारण इस्लामी कट्टरपंथियों से धमकियां मिलने के बाद 1994 में बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर होने के बाद से नसरीन निर्वासन में रह रही हैं।

टीवीके प्रमुख विजय की पत्नी ने ससुराल में रहने के लिए अदालत से अनुमति मांगी

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय से तलाक के लिए अर्जी दायर कर चुकी उनकी पत्नी संगीता ने अदालत में एक नया हलफनामा दाखिल कर अंतरिम आदेश की मांग की है कि उन्हें मूल याचिका के निपटारे या अभिनेता-राजनेता द्वारा वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराए जाने तक यहां उनके ससुराल में रहने की अनुमति दी जा सके। संगीता ने अपने हलफनामे में कहा कि उन्होंने प्रतिवादी विजय के खिलाफ विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत एक मूल याचिका दायर की है, जिसमें 25 अगस्त 1999 को चेन्नई में उनके साथ संपन्न हुए विवाह को निरस्त करने की मांग की गई है। उन्होंने विजय से उचित और स्थायी गुजारा भत्ता की मांग भी की है।उन्होंने कहा कि मूल याचिका दायर करने से पहले उन्होंने आपसी सहमति से गरिमापूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से विवाह विच्छेद सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की। हालांकि, उनके ये प्रयास सफल नहीं हुए और सौहार्दपूर्ण समाधान नहीं निकल सका। उन्होंने कहा, ''इसके विपरीत, इन परिस्थितियों में प्रतिवादी ने अपने वकील के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया कि यदि याचिकाकर्ता तलाक की मांग करते हुए अदालत में जाने का विकल्प चुनती है, तो उसे ससुराल में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।''हालांकि, संगीता ने कहा कि उनके पास (इस) परिवार की स्थिति के अनुरूप कोई अन्य आवास नहीं है और वह एक ब्रिटिश नागरिक हैं0। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उन्हें तलाक लेने के लिए विवश होना पड़ा है, क्योंकि उन्होंने अपनी मूल याचिका में पहले ही इसके कारण बता दिए थे। उस याचिका में उन्होंने कहा था कि विजय के साथ उनका विवाह पूरी तरह से टूट चुका है0। उन्होंने बताया कि यह सब उनके पति के एक अभिनेत्री के साथ विवाहेतर संबंध के कारण हुआ था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि विजय ने उन्हें लगातार मानसिक क्रूरता, उपेक्षा और परित्याग का शिकार बनाया था। उन्होंने कहा था कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वह अभिनेत्री को दूसरे प्रतिवादी के रूप में शामिल कर लेंगी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**